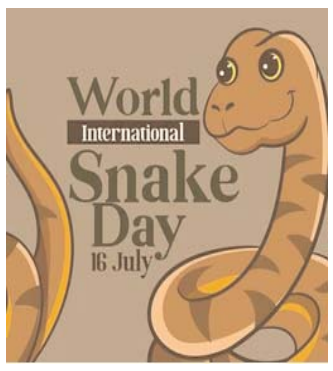

दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 02/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

भोपाल, मंगलवार 16 जुलाई 2024 भोपाल से प्रकाशित

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

dainiksandhyaprakash.in

सेंसेक्स 80,898 और निफ्टी 24,661 के रिकॉर्ड हाई पर: रियल्टी शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी

तीन साल बाद फिर संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित कर सकते हैं मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित कर सकते हैं। सोमवार को जारी की गई सूची के मुताबिक कि भारत के पीएम मोदी 26 सितंबर की दोपहर में सभा को संबोधित कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र की उच्च स्तरीय चर्चा 24 सितंबर से शुरू होगी। संयुक्त राष्ट्र द्वारा सोमवार को जारी वक्ताओं की सूची के अनुसार, भारत के राष्ट्राध्यक्ष 26 सितंबर को संबोधित करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने उज्जैन में आयोजित जन संवाद शिविर कार्यक्रम को समत्व भवन भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया।

मुख्यमंत्री यादव ने निकाली अमरवाड़ा में आभार रैली

छिंदवाड़ा, सांध्यप्रकाश संवाददाता। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज अमरवाड़ा में आभार रैली निकाली, इसमें प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, विधायक कमलेश शाह के साथ ही सांसद विवेक बंटी साहू व अन्य नेता मौजूद रहे। सीएम ने कहा कि अमरवाड़ा ने नया इतिहास बनाया है, हम अमरवाड़ा

- **प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, विधायक कमलेश शाह रहे मौजूद**

में विकास का इतिहास बनाएंगे।

आभार रैली टेलीफोन एक्सचेंज तिराहे से शुरू हुई और विभिन्न मार्गों से होती हुई सभास्थल पहुंची। यहां मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष सहित सभी नेता मौजूद रहे। सीएम यादव यहां सभा को संबोधित करने के साथ ही 122.70 करोड़ रुपए के कामों का लोकार्पण-भूमिपूजन भी कर रहे हैं। रैली के बाद वे जनपद पंचायत अमरवाड़ा के समीप होटल तुलसा में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। 20 जुलाई को जबलपुर में होने जा रहे रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 2024 को लेकर सिवनी, बालाघाट और पांढुर्णा जिलों की वर्चुअल समीक्षा करेंगे।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमला कैप्टन समेत 5 जवान शहीद

डोडा। जम्मू-कश्मीर में डोडा जिले के डेसा में आतंकवादियों की फायरिंग में सेना के कैप्टन समेत 4 जवान शहीद हो गए। एक पुलिस कर्मी की भी मौत हुई है। यानी कुल 5 लोगों की जान गई है। राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस यहां सोमवार से ही सर्च ऑपरेशन चला रही थी।

सर्चिंग के दौरान आतंकी फायरिंग करते हुए भागे। घना जंगल होने की वजह से वे बच निकले। सोमवार रात 9 बजे के आसपास फिर गोलीबारी हुई। इसमें 5 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

शहीद हुए राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों में कैप्टन बृजेश थापा, नायक डी राजेश, सिपाही बृजेंद्र, सिपाही अजय शामिल हैं। इनमें से सिपाही अजय सिंह राजस्थान के झुंझुनूं जिले की बुहाना तहसील के भैसावता कलां के रहने वाले थे। सेना इलाके में हेलिकॉप्टर, ड्रोन से आतंकियों की तलाश कर रही है।

हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े कश्मीर टाइगर्स ने ली है। संगठन ने दावा किया है कि उनके हमले में आर्मी के कैप्टन समेत 12 जवान मारे गए हैं, जबकि 6 घायल हैं।

राहुल गांधी ने कहा- भाजपा की गलत नीतियों का खामियाज़ा हमारे जवान और उनके परिवार भुगत रहे

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, जम्मू कश्मीर में फिर से एक आतंकी मुठभेड़ में हमारे जवान शहीद हो गए। शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिजनों को गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। एक के बाद एक ऐसी भयानक घटनाएं बेहद दुखद और चिंताजनक है। आगे कहा, लगातार हो रहे ये आतंकी हमले जम्मू कश्मीर की जर्जर स्थिति बयान कर रहे हैं। भाजपा की गलत नीतियों का खामियाजा हमारे जवान और उनके परिवार भुगत रहे हैं। हर देशभक्त भारतीय की यह मांग है कि सरकार बार-बार हो रही सुरक्षा चूकों की पूरी जवाबदेही ले कर देश और जवानों के गुनहगारों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे।

आतंकी हमले से फिर देश में उबाल, राजनाथ-एलजी ने कहा- जल्द लेंगे बदला, राहुल ने भाजपा को घेरा

जम्मू संभाग के डोडा में सोमवार रात हुई मुठभेड़ में सेना के कैप्टन सहित चार जवान बलिदान हो गए। इस शहादत से जम्मू कश्मीर सहित देश भर के लोगों में के बीच गुस्सा और गम है। राजनीतिक नेताओं ने भी हमले को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं साझा की है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद के अभिशाप को खत्म करने और क्षेत्र में शांति और व्यवस्था बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं, जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि आतंकियों की तरफ से सेना और पुलिस पर किए गए आतंकी हमले का बदला जरूर लेंगे। इसके साथ ही राहुल गांधी ने बलिदान सैनिकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए भाजपा पर निशाना साधा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया, डोडा (जम्मू-कश्मीर) में आतंकवाद विरोधी अभियान में हमारे बहादुर और साहसी भारतीय सेना के जवानों के शहीद होने पर मुझे गहरा दुख हुआ है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। राष्ट्र हमारे उन सैनिकों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। आतंकवाद विरोधी अभियान जारी हैं और हमारे सैनिक आतंकवाद के अभिशाप को खत्म करने और क्षेत्र में शांति और व्यवस्था बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज आईसीएआर के स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ करने के बाद वहां लगी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

भारी बारिश से नदियां उफान पर, गुजरात से असम तक बाढ़ के हालात

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने की प्रभावित राज्यों के सीएम से बात

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड से लेकर पूर्वोत्तर और महाराष्ट्र, केरल और कर्नाटक तक झमाझम बारिश और बाढ़ के चलते नदियां उफान पर हैं। यूपी, गुजरात से लेकर बिहार और असम तक कई राज्यों में बाढ़ का कहर जारी है। इस बीच मौसम विभाग ने सोमवार को यूपी समेत 19 राज्यों में अगले तीन दिन भारी बारिश की चेतावनी दी है।

केरल, गोवा, महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात के सौराष्ट्र और कच्छ में मंगलवार को भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड में 17-18, पूर्वी राजस्थान में 18, ओडिशा में 19 और आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 18-19 जुलाई को भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट है।

उत्तर प्रदेश के 20 जिलों में बाढ़ के हालात हैं। नेपाल बॉर्डर की नदियों के साथ ही गंगा भी उफान पर है। वाराणसी में गंगा का जलस्तर हर घंटे 5-10 सेंटीमीटर बढ़ रहा है। गोरखपुर में राप्ती नदी खतरे के निशान के पार बह रही है। सड़कों पर नाव चल रही है। 30 गांव डूब गए हैं।

उधर, बिहार में भी कई इलाकों में बाढ़ के हालात बने हुए हैं। मुजफ्फरपुर में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। कटरा प्रखंड में बागमती और लखनदेई नदी उफान पर है। बाढ़ के पानी से बकुची, पतारी, अंदामा,? बसघट्टा, नवादा, गंगेया गांव की करीब 50 हजार से ऊपर की आबादी घिर गई है।

शाह ने सीएम योगी, हिमंत और भूपेंद्र पटेल से की बात

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश, असम और गुजरात के मुख्यमंत्रियों से सोमवार को बात की और बाढ़ व भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति का जायजा लिया।

सूत्रों ने बताया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने फोन पर हुई बातचीत में शाह को राज्य के मौजूदा हालात और अब तक उठाए गए कदमों की जानकारी दी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपने राज्यों में बारिश और बाढ़ से पैदा हुए हालात से गृह मंत्री को अवगत कराया।

किसानों का दिल्ली कूच का ऐलान: संगठन के नेता बोले- शंभू बॉर्डर खुलने का इंतजार

नई दिल्ली। हरियाणा-पंजाब के बीच शंभू बॉर्डर पर डटे किसानों ने दिल्ली कूच का ऐलान कर दिया है। चंडीगढ़ में मीटिंग के बाद किसान नेता जगजीत डल्लेवाल ने कहा कि शंभू बॉर्डर खुलते ही किसान दिल्ली कूच करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें सिर्फ सामान इकट्?ठा करने में समय लगेगा, उसके बाद हम दिल्ली की तरफ रवाना हो जाएंगे।

किसानों ने किसान शुभकरण के मौत मामले में गठित स्पेशल टास्क फोर्स को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के अधिकारी को जांच देने से इंसाफ की उम्मीद नहीं बचती।

वहीं शंभू बॉर्डर पर लगी 8 लेयर की बैरिकेडिंग फिलहाल नहीं हटेगी। 10 जुलाई को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने 7 दिन के अंदर बॉर्डर खोलने के आदेश दिए थे। आज इसका अंतिम दिन है, लेकिन इसको लेकर हरियाणा सरकार सुप्रीम कोर्ट चली गई है। सरकार अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रही है।

सीएम मोहन यादव ने कलेक्टर्स की लगाई क्लास

मुख्य सचिव से कहा-जो काम नहीं कर रहे हैं, उन्हें तत्काल हटाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 18 जुलाई से शुरू होने वाले राजस्व महाअभियान 2.0 की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में अधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बैठक ली। इस बैठक में सीएम ने मुरैना-भोपाल और सिंगरौली कलेक्टर की क्लास ले ली। सीएम मोहन ने कलेक्टर्स से जब उनके कामों की पेंडेंसी के बारे में पूछा तो सभी ने अपने-अपने कारण बताए। किसी ने अभी जॉइन होने का कहा तो किसी ने जल्द निराकरण की बात कही। इस पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सीएम ने सीएस वीरा राणा से कहा कि आप हर जिले की योजना में कलेक्टर की रैंकिंग करके दीजिए, जो काम नहीं कर पा रहे हैं उन्हें तत्काल हटाया जाए।

मुरैना कलेक्टर अंकित अस्थाना को सीएम मोहन यादव ने फटकार लगाई है। सीएम मोहन ने कहा कि कब से पदस्थ हो रेवेन्यू के मामले क्यों पेंडिंग है। अंकित अस्थाना ने न्यायालय में मामले लंबित होने की बात कही तो सीएम ने कहा बहाने मत बनाइए न्यायालय में लंबित है तो आपने उनके निराकरण के लिए क्या किया। सीएम ने भोपाल कलेक्टर विक्रम कौशलेंद्र से पूछा आपके यहां मामले क्यों लंबित हैं इस पर कौशलेंद्र बोले सर अभी जॉइन किया है जल्द इनका निराकरण कर देंगे।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जब सिंगरोली कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला से पूछा आप क्या कर रहे हैं आपके यहां भी पेंडेंसी है तो शुक्ला बोले सर कुछ महीने पहले ही जॉइन किया है जल्द निराकरण कर लेंगे। इसके बाद सीएम ने शुक्ला से कहा आपके जिले में लोगों ने हाइवे का मुआवजा लेने के लिए मकान बना लिए और आपको खबर नहीं है ऐसे नहीं चलेगा। इसके अलावा उमरिया कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि आपके जिले में भी कोई काम नहीं हो रहा है। ऐसे नहीं चलेगा।

सीएम ने सीएस वीरा राणा से कहा कि आप हर जिले की योजना में कलेक्टर की रैंकिंग करके दीजिए जो काम नहीं कर पा रहे हैं उन्हें तत्काल हटाया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अधिकारियों को दिए निर्देश-

- अभियान की रोजाना मॉनिटरिंग हो।
- पटवारी अपने-अपने हलके में रहें और अभियान के तहत समस्याओं का त्वरित निराकरण हो।
- राजस्व अभियान में अभिलेख दुरुस्ती को लेकर भी समय सीमा तय हो।
- ई केवाईसी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसे अन्य सुविधाओं से संबंधित शिकायतों का भी त्वरित निराकरण करें।
- आमजन राजस्व अभियान से जुड़े, इसके लिए अभियान का व्यापक प्रचार प्रसार करें।
- अभियान में बेहतर काम करने वाले अधिकारियों को सराहा जाएगा और कोताही बरतने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई।
- राजस्व सम्बन्धी सभी प्रकरण ऋष्टस्स्-दर्ज कराए जाएं यह सुनिश्चित करें।
- खसरा और नक्शा में एकरूपता नहीं होने से कृषकों को समस्याओं का अभियान में निराकरण करें।
- अभियान के दौरान स्वामित्व योजना सैचुरेट करने हेतु कार्यवाही पूर्ण की जाएं।

पीसीसी चीफ का आरोप- मेरे मोबाइल से जासूसी हो रही

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का आरोप है कि मेरे मोबाइल से जासूसी हो रही है। इसके चलते आज कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के फोन में जासूसी की शिकायत करने साइबर सेल पहुंचा है। पार्टी नेताओं का कहना है कि पटवारी को एपल कंपनी की तरफ से जासूसी का अलर्ट आया है। ऐसे में पुलिस को इसकी जांच करनी चाहिए।

पूजा थापक आत्महत्या मामला: अधिकारी पति और सास के खिलाफ एफआईआर दर्ज

भोपाल । राजधानी के गोविंदपुर थाना इलाके साकेत नगर में रहने वाली जनसंपर्क संचालनालय की सहायक संचालक पूजा थापक द्वारा 9 जुलाई को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने के मामले में मर्ग जांच के बाद पुलिस ने प्रौद्योगिकी विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर के पद पर पदस्थ उनके पति निखिल दुबे और सास आशा दुबे के खिलाफ दहेज मृत्यु व आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज किया है। मामला नव विवाहिता से जुडा होने के कारण इसकी जांच एसीपी गोविंदपुरा दीपक नायक ने की है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से ग्वालियर निवासी पूजा थापक जनसंपर्क संचालनालय में सहायक संचालक के पद पदस्थ पर थीं। साल 2022 में उनकी शादी साकेत नगर में रहने वाले निखिल दुबे से हुई थी। निखिल अरेरा हिल्स स्थित सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग में सहायक संचालक हैं। उनका एक साल का एक बेटा है। मंगलवार 9 जुलाई को घर में पति व सास से हुए विवाद के बाद पूजा ने अपने बेडरूम में फांसी लगा ली थी। खुदखुशी से पहले पूजा थापक ने ग्वालियर में अपनी मां को फोन कर कहा था कि मां, अब बर्दाश्त नहीं होता, मर रही हूं। इसके अलावा बहन को भी मोबाइल पर मैसेज कर आत्महत्या करने की बात लिखी थी। मृतिका के परिवार वालों के बयान दर्ज करने सहित अन्य बिंदुओं की जांच के आधार पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। गौरतलब है की पूजा के पिता ने भी अपने दामाद निखिल पर दहेज के लिए बेटी को प्रताड़ित करने के आरोप लगाए थे। फिलहाल आरोपी मां बेटे की गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है।

पंचवटी कॉलोनी हनुमान मंदिर झूलेलाल मंदिर में आज से भगवान झूलेलाल का चालीसा पाठ शुरू हुआ।

देश की खुशहाली, सुख, शांति, समृद्धि की कामना के लिए 40 दिनों तक होगी तपस्या

संत हिरदाराम नगर। सिंधी समाज के इष्ट देव भगवान झूलेलाल के महान धार्मिक पर्व चालीहा साहिब का शुभारंभ आज से होगा। महिला विंग की चेयरमेन किरण वाधवानी ने बताया कि चालीहा साहब सिंधू संस्कृति, सभ्यता के साथ प्रेम भाईचारे तथा एकता के प्रतीक है जो देश की खुशहाली, सुख, शांति, समृद्धि अच्छी फसल एवं मनोकामना पूर्ण करने हेतु 40 दिनो का उपवास धारण कर, लोक गीत, संगीत, आरती, भजन, बहिराणे साहिब की पूजा, छेज डांडिया नृत्य एवं पलव मनोकामना पूर्ण करने हेतु सामूहिक प्रार्थना की जाती है। जो की 40 दिन तक चलेगा मंदिर परिसर न्यू बी 10 में होगी। इस अवसर पर अंतर राष्ट्रीय हास्य कलाकार मुख्य मेहमान रहेंगे सुबह 9 बजे ज्योत प्रज्जवलित करेंगे जो की 40 दिन तक प्रज्जवलित रहेगी उसके बाद सिंधी लोक, गीत, भजन होंगे नृत्य सिंधी छेज बहराने साहब की पूजा अर्चना होगी पल्लव आरती के बाद प्रसाद वितरण होगा। रोजाना आरती कां समय सुबह 8 बजे एवं शाम को 7:30 रहेगा चन्द्रभान रीझवानी अपनी मधुर आवाज में भजन पेश करेंगे। दादा साबुमल रीझवानी की स्मृति में रात को आरती के बाद 40 दिन भंडारे का आयोजन होगा जिसका वितरण ओमप्रकाश रीझवानी करेंगे। स्वर्गीय दादा साबूमल रीझवानी की स्मृति में हास्य कलाकार परमानंद प्यासी रात को भी भजन का समा बांधेगे आरती के बाद झूलेलाल भगवान इष्ट देव के भजन रात को भी गाएगे।

श्रीमद् भागवत कथा एवं गुरु दीक्षा समारोह का शुभारंभ

भोपाल। हनुमान मंदिर पीपल चौराहा करोड़ में श्री मद भागवत कथा एवं गुरु दीक्षा समारोह का दसवां वर्ष वृंदावन से आए शैलेंद्र कृष्ण के श्रीमुख से सुनाई जा रही है। श्रीमद् भागवत कथा की कलश यात्रा 14 जुलाई को महिला एवं पुरुषों बैंड बाजा बाजी के साथ निकाली गई। इस कथा का आयोजन श्री भागवत परिवार जन कल्याण सेवा समिति और समस्त भक्त जनों के द्वारा आयोजित कराई जा रही है 21 जुलाई दिन रविवार को प्रात: 8 बजे से गुरु दीक्षा एवं गुरु पूजन का भव्य आयोजन भी किया जाएगा जिसमें वृंदावन से आए गुरु शैलेंद्र कृष्ण से यहां के जजमान गुरु दीक्षा भी लेंगे भागवत कथा दोपहर 2 बजे से हरि इच्छा तक सुनाई जा रही है। कथा में मुख्य जजमान भागवत परिसर जन कल्याण सेवा समिति के सर्व अध्यक्ष पंडित शैलेश मिश्रा अध्यक्ष पीएम सैनी सचिन माधव मालवीय कोषाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने समस्त क्षेत्रवासियों से इस भागवत कथापुण्य लाभ अर्जित करने के लिए जनता से निवेदन भी किया।

जयस प्रदेश अध्यक्ष नारी शक्ति साधना उइके का जन्मदिन मनाया

भोपाल। अखिल भारतीय ओबीसी महासभा कार्यालय भोपाल में जयस प्रदेश अध्यक्ष नारी शक्ति साधना उइके का जन्म उत्सव बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाया गया साथ ही जन्म उत्सव के पश्चात अधिकारियों एवं युवाओं के साथ समाज की अनेक मुद्दों पर चर्चाएं की गई एवं सर्व समाज को एकजुट रहने की बात कही जन्म उत्सव में शामिल , अखिल भारतीय ओबीसी कार्यकारिणी राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट तुलसीराम जी पटेल, व्यापार मोर्चा जेडी पटेल जी राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष जितेंद्र साहू जी, सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष गब्बर सिंह मीणा जी प्रोफेशनल कांग्रेस जिला अध्यक्ष भोपाल साफ़िया अली ,सोनम जी, एडवोकेट नीरज बड़ीवा प्रदेश अध्यक्ष विकास परिषद, रूपेश कठौतिया भेल महाविद्यालय एनएसयूआई राजेश धुर्वे, जयस बैतूल जिला प्रचारक शिवानी धुर्वे सामाजिक कार्यकर्ता रोहित कुमरे अमित काकोडिया आदि युवा साथी मौजूद रहे।

राजीव नगर शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति के सामूहिक विवाह समारोह में विधायक भगवानदास सबनानी ने नव दंपतियों को दी शुभकामनाएं

भोपाल। राजीव नगर शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति द्वारा सर्व जाति सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक भगवानदास सबनानी द्वारा सभी नवदंपति जोड़ों को बधाई एवं अपनी शुभकामनाएं दी, वर्तमान दौर में सामूहिक विवाह सम्मेलनों की आवश्यकता पर जोर दिया, समिति के अध्यक्ष मोतीलाल ठाकरे की प्रशंसा करते हुए श्री सबनानी ने कहा वर्तमान समय में समाज को लेकर चलना और समाज के कार्यों में सामाजिक बंधुओ को जोड़कर रखने में ठाकरे जी की विशेष भूमिका रही है। अब समय है कि प्रत्येक समाज को सामूहिक विवाह सम्मेलन को अधिक से अधिक आयोजित कर दहेज जैसी कुप्रथा से बचना चाहिए इस दिशा में सामूहिक विवाह सम्मेलन महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। इस अवसर पर कोटरा स्थित भवन हलवा हलवी समाज के 51 जोड़े विवाह बंधन में बधे, समिति के अध्यक्ष द्वारा प्रत्येक जोड़े को 7 बर्तन वह एक पौधा भेंट किया गया। इस शुभ अवसर पर समिति के सभी सदस्यों के साथ ही भाजपा मंडल अध्यक्ष डिंपल श्रीवास्तव, पूर्व पार्षद मुकेश राय के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एलसीडी उत्कृष्टता में एक नए युग की शुरुआत

भोपाल। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स (एलजी), जो एक दशक से अधिक समय से ओएलईडी तकनीक में अग्रणी है, घरेलू मनोरंजन में अपने नवीनतम नवाचार का अनावरण करने पर गर्व महसूस कर रहा है। एआई टीवी की अगली पीढ़ी 108 सेमी (43) से 246 सेमी (97) तक के आकारों में उपलब्ध है। 2024 लाइनअप में एलजी ओएलईडीईवो एआई और एलजी क्यूएनईडी एआई टीवी की सबसे उन्नत रेंज शामिल है, जिसमें दुनिया का सबसे बड़ा ओएलईडी टीवी एलजी ओएलईडी 97जी4 भी शामिल है, जो पावर पैक्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्रदर्शन का दावा करता है जो देखने के अनुभव के हर पहलू यानी पिख्र मलिटी, ऑडियो मलिटी और निजीकरण को नई ऊंचाइयों पर ले जाता है। विभिन्न देखने की प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए 55 नए मॉडल पेश किए जाने के साथ, यह लॉन्च टेलीविजन उद्योग में दृश्य उत्कृष्टता और पर्सनलाइजेशन की सीमाओं को आगे बहाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स प्रसिद्धता की पुष्टि करता है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स भोपाल के शाखा प्रबंधक ने कहा, 'हमें नेक्स्ट तरेशन के एआई टीवी को पेश करने पर गर्व महसूस हो रहा है, जो ओएलईडी और प्रीमियम एलईडी प्रौद्योगिकियों दोनों में नवाचार के मामले में अग्रणी है।

टाटा मोटर्स की संपूर्ण आफ्टर-सेल्स सेवाओं की मदद से मध्य प्रदेश के ट्रकों का चलना निरंतर जारी

भोपाल। भारत की सबसे बड़ी वाणिज्यिक वाहन निर्माता, टाटा मोटर्स ने भारतीय ट्रकिंग उद्योग में कई उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। कंपनी लगातार अपने सर्विस इकोसिस्टम को मजबूत कर रही है और वाहनों का ज्यादा अपटाइम सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका भी निभा रही है। मौजूदा समय में फ्रेट डिलीवरी की समय-सीमाओं को देखते हुए ज्यादा अपटाइम होना काफी मायने रखता है। कंपनी एक मजबूत सर्विस नेटवर्क, मूल्य-वर्द्धित सेवाओं की श्रृंखला और असली स्पेयर पार्ट्स मिलने में आसानी की पेशकश कर रही है। कंपनी ड्राइवर की सेहत को भी प्राथमिकता देती है और ग्राहकों को मालिक होने के बेहतरीन अनुभव मिलता है।

स्काईव्यू बाय एम्पायरियन भोपाल के कलाकार लाडो बाई और सरोज वेंकट श्याम की मेजबानी करेगा

भोपाल। जम्मू की सांस्कृतिक धरोहर से समृद्ध और सुंदर घाटी एक बार फिर दुनिया भर के कला-प्रेमियों और संग्राहकों का स्वागत करने के लिए तैयार है! 22 एकड़ का पर्वतीय बंदरगाह एम्पायरियन द्वारा स्काईव्यू, एक 22 एकड़ माउंटेन हार्बर जो संगेत-पटनीटॉप क्षेत्र में प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी, एडवेंचर, प्रकृति और विलासिता का सहज मिश्रण है, 22-25 अगस्त, 2024 के बीच अपने परिसर में इंटरैक्टिव आर्ट-रिट्रीट समा-वाया के दूसरे संस्करण की मेजबानी करने के लिए तैयार है।प्रमुख कला सलाहकार और क्यूरेटर अनुपा मेहता आयोजित तथा शिल्प क्यूरेटर अनु चौधरी सोरबजी द्वारा समर्थित, सम-वाय जिसका संस्कृत में अर्थ एकता होता है, भारत भर के प्रमुख कलाकारों और शिल्पकारों को एकत्रित करता है।

विश्व युवा कौशल दिवस: युवाओं को योगाधारित शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता : योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से नि:शुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है। वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर आने वाले बच्चों का योग से जुड़े रहें इसका विशेष ध्यान रखा जाता है। बच्चों में सीखने की जिज्ञासा बढ़े ऐसा अभ्यास करवाया जाता है। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि आदर्श शिक्षा आर्थिक परिणामों से सम्बद्ध नहीं होनी चाहिये । शिक्षा को मनुष्य की अंतर्निष्ठ प्रतिभा को प्रकट करने में और क्रम विकास की प्रक्रिया में सहायता करनी चाहिये जिससे उसका एक समन्वित एवं संतुलित व्यक्तित्व विकसित हो सके और उसमें दिव्यता का जागरण हो सकें । युवा अपने कौशल एवं उधमिता को पहचान सकें । आज भी कई ऐसे देश और समाज हैं जहां भारी संख?या में युवा बेरोजगार हैं। यह एक वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। ऐसे में उन?हें कौशल बनाने और उनकी क्षमता के विकास के लिए जागरूकता पैदा करना ज़रूरी है। इसलिए हर साल 15 जुलाई के दिन विश्व युवा कौशल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस युवाओं को रोजगार, अच्छे काम और उद्यमिता के लिए कौशल से लैस करने के रणनीतिक महत्व पर केंद्रित है। जिससे वह बेहतर अवसरों की तलाश कर रोज़गार प्राप्त कर सकें। इस वर्ष की थीम है शांति और विकास के लिए युवा कौशल , का उद्देश्य शांति स्थापना और संघर्ष समाधान में युवाओं की भूमिका को उजागर करना है। योग गुरु महेश अग्रवाल ने सकारात्मक विकास के बारे बताया कि कल्पना कीजिए कि पूरे विश्व के स्कूलों में गणित या विज्ञान की तरह योग पढ़ाया जाए तो क्या होगा? जब हम यह मानते हैं कि विश्व की साठ प्रतिशत जनसंख्या बच्चों की है तो परिणाम अवश्य अचंभित करने वाले होंगे।

आईसेक्ट ने किया वर्ल्ड यूथ स्किल्स डे पर किया कौशल चर्चा का आगाज

युवाओं को तकनीकी क्षमताओं को करना चाहिए विकसित: गौतम टेटवाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारत के एक अग्रणी सामाजिक उद्यम आईसेक्ट समूह द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस 2024 के उपलक्ष्य में कौशल चर्चा के 5वें संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्घाटन सोमवार को स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कौशल विकास एवं रोजगार गौतम टेटवाल द्वारा किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में आईसेक्ट ग्रुप चेयरमैन संतोष चौबे, आईसेक्ट समूह के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, आईसेक्ट ग्रूप ऑफ यूनिवर्सिटीज की डायरेक्टर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ. अजय भूषण और कुलसचिव डॉ. सितेश सिन्हा भी मौजूद रहे। शुरुआत एआर/वीआर लैब एवं ऑटोमेटिव लैब (हुंडई के साथ साझेदारी में बनी) के उद्घाटन से हुआ। इसके बाद गौतल टेटवाल ने एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया।

यह पांच दिवसीय कार्यक्रम 15 से 19 जुलाई तक आयोजित किया जा रहा है जिसका विषय शांति और विकास के लिए युवा कौशल है। अपने वक्तव्य में मुख्त अतिथि टेटवाल ने कहा कि वर्तमान समय में तकनीक और नवाचार का महत्व बढ़ रहा है। हमारे युवाओं को बदलाव के साथ कदम से कदम मिलकर चलने के लिए तैयार रहना चाहिए और अपनी तकनीकी क्षमताओं को विकसित करना चाहिए। कौशल विकास के लिए सरकार द्वारा कई पहल की गई है जिससे युवाओं के रुचि के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। आगे अपने उद्बोधन में उन्होंने उद्योग और शैक्षिक संस्थाओं के बीच साझेदारी के महत्व पर बल दिया ताकि युवाओं को व्यवहारिक अनुभव प्राप्त हो सके। और वे रोजगार के लिए तैयार हो सकें।

प्रापर्टी के मालिकाना हक को लेकर सिंधी सेन्ट्रल पंचायत ने मांगा सीएम से समय

सिंधी सेन्ट्रल पंचायत की बैठक सम्पन्न, ठेले वालों का भी उठा मुद्दा

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर की सामाजिक संस्था सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी की बैठक रखी गई। जिसमें कहा कि आजादी के 76 साल बाद भी सनातनी धर्म एवं देश की आजादी की खातिर अपना वतन सिंध प्रदेश अब पाकिस्तान में छोड़कर यहां आने वाले सिंधी हिन्दु परिवारों को उनकी प्रापर्टी का मालिकाना हक नहीं मिल सका है इसके अलावा वन ट्री हिल्स के 500 भूखण्डों के लीज नवीनीकरण का मामला भी दूसरी बार प्रीमियम राशि जमा करने के बावजूद सुलझ नहीं पाया है। इस समस्या के लिए पंचायत ने मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से समय की मांग की है। पंचायत अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश ईसरानी की अध्यक्षता में पंचायत कार्यालय में आयोजित बैठक में संरक्षक ईश्वरदास हिमथानी, वासुदेव वाधवानी, महासचिव सुरेश जसवानी उपस्थित थे। बैठक में तय किया गया कि महापौर कार्यकाल के दौरान संत हिरदाराम नगर में करोड़ों के विकास कार्य कराने वाले एवं लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बने आलोक शर्मा व संत हिरदाराम नगर को अनेक सौगातें देने वाले विधायक रामेश्वर शर्मा का पंचायत द्वारा अभिनंदन किया जाएगा। बैठक में संरक्षक ईश्वरदास हिमथानी ने सुझाव दिया कि मोबाइल पर बात करते समय हेलो की जगह सिंधियों के इष्टदेव भगवान झूलेलाल की जय बोला जाए, इस पर सभी ने सहमति व्यक्त करते हुए संकल्प लिया अब अब जय झूलेलाल ही बोला जाएगा।

बैठक में उपाध्यक्ष नरेन्द्र लालवानी ने जगह जगह हाथ ठेलों के कारण होने वाली परेशानी एवं लड़ाई झगड़े व अतिक्रमण की समस्या उठाई और कहा कि पंजाब नेशनल बैंक एवं चंचल रोड पर यह समस्या विकराल रूप लेती जा रही है, जिस कारण राहगीरों का गुजरना भी कठिन हो रहा है साथ ही नागरिकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है तय किया गया कि इसके लिए जल्द ही प्रतिनिधि मण्डल महापौर मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा एवं नगर निगम कमिश्नर से मुलाकात करेगा। इसके अलावा व्यापारियों की एक सयुंक्त बैठक भी बुलाई जाएगी, आवश्यकता हुई तो संत हिरदाराम नगर बंद का आव्हान भी किया जाएगा।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में 15 दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का शुभारंभ

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज ने अपने बी.सी.ए. और बी.बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के दिशा-निर्देशों के अनुरूप व्यापक पंद्रह दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। इस इंडक्शन कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों को शैक्षणिक और पाठ्येतर पहलुओं का समग्र परिचय देना है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके। यह अनुशासन की भावना को बढ़ावा देने, व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करने और छात्रों को विभिन्न चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करने का प्रयास करता है। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए शैक्षणिक और व्यक्तिगत क्षेत्रों में अनुशासन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अनुशासन से सर्वप्रथम एक प्रकार का मानसिक दबाव महसूस होता है परंतु बाद में यह एक आदत बन जाती है। अनुशासन सफलता प्राप्त करने और जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यक है। डॉ. पारवानी ने छात्राओं से आत्म-अन्वेषण की यात्रा पर आगे बढ़ने का आग्रह किया एवं उन्हें अपने भीतर के सत्य को खोजने के लिए प्रेरित किया।

सीएमएचओ के निर्देश पर डेढ़ दर्जन क्लिनिक्स की हुई जांच

जांच रिपोर्ट के आधार पर की जा रही वैधानिक कार्यवाही

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा संचालनालय, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के पत्र क्रमांक विनियमन /2024 /248 दिनांक 15/07/2024 के परिपालन में त्वरित कार्यवाही करते हुए भोपाल में पहले ही दिन क्लीनिक्स, नर्सिंग होम्स, पैथोलॉजी लैब्स व कलेक्शन सेंटर्स की जांच व सत्यापन का अभियान प्रारंभ कर दिया है। सोमवार को कार्यालय द्वारा गठित 8 दलों द्वारा भोपाल के विभिन्न इलाकों में संचालित 17 क्लीनिक्स में चिकित्सा व्यवसाय कर रहे व्यक्तियों की सघन जांच की गई।

निरीक्षण दल द्वारा चिकित्सा व्यवसाय कर रहे व्यक्तियों की डिग्री, चिकित्सा पद्धति, काउंसिल का पंजीयन , म प्र उपचार्यगृह एवं रूज़ोपचार संबंधी स्थापना अधिनियम, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम , गुमास्ता लाइसेंस की जांच की गई। जांच के दौरान अवैध रूप से चिकित्सा व्यवसाय में संलग्न व्यक्तियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई हेतु पुलिस, नगर निगम, औषधि प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण मंडल को सूचना दी जा रही है ,ताकि उनके विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जा सके। सी एम एच ओ द्वारा गठित दल ने भोपाल के विभिन्न इलाकों में जाकर क्लिनिक्स की जांच की । निरीक्षण दल द्वारा बागसेवनिया क्षेत्र में विकास क्लिनिक के नाम पर अशोक सिंह ठाकुर चिकित्सा व्यवसाय करते पाए गए ,जबकि उनके पास इलेक्ट्रो होम्योपैथी की डिग्री मिली है। इसी प्रकार गौतम नगर में हरीश जैतवाल के पास बी फार्मा की डिग्री पाई गई । नीलबड़ क्षेत्र में विकास क्लिनिक के नाम पर प्रैक्टिस कर रहे अभिषेक सिंह द्वारा निरीक्षण दल को दस्तावेज नहीं दिखाई जा सके। इस कारण आगामी आदेश तक क्लिनिक का संचालन बंद करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने निजी चिकित्सा व्यवसायियों से अपील की है कि वे शासन द्वारा निर्धारित सभी अनुमतियां प्राप्त करने के बाद ही चिकित्सा व्यवसाय करें । ऐसा नहीं करने पर संबंधितों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जावेगी । ये कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। कार्यवाही में जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस ,खाद्य एवं औषधि प्रशासन का सहयोग भी लिया जा रहा है।

17 जुलाई को बंद रहेंगे सभी स्कूल, कॉलेज, बैंक और सरकारी दफ्तर

भोपाल। प्रदेश में बुधवार 17 जुलाई को सभी सरकारी कार्यालय, बैंक, स्कूल-कॉलेज बंद रखे जाएंगे। दरअसल, 17 जुलाई को मोहर्रम पर यह सार्वजनिक अवकाश रहेगा। मोहर्रम का अवकाश इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक आता है, इसलिए यह हर साल अलग-अलग तारीखों को मनाया जाता है। इस दिन प्रदेश के कई शहरों में ताजिए निकाले जाएंगे। मोहर्रम हिजरी सन के पहले माह का पहला दिन होता है। इस दिन को पैगम्बर मुहम्मद के नवासे, इमाम हुसैन और उनके अनुयायियों की करबला की लड़ाई में शहादत के रूप में याद किया जाता है। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में यह अलग-अलग तरह से महसूस किया जाता है।

भोपाल में निकलेगा बड़ा जुलूस: पुराने भोपाल क्षेत्र के कई इलाकों से मुहर्रम का जुलूस निकाला जाएगा। इस दौरान शहर की यातायात व्यवस्था बदली रहेगी। इस दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस फोर्स लगाया गया है। भारत टाकीज, अल्पना तिराहा, नादरा बस स्टैंड, भोपाल टाकीज, शाहजहांनाबाद, रायल मार्केट, कोहेफिजा तिहारा, करबला में ट्रैफिक का ज्यादा दबाव रहता है। शाम 6 बजे के बाद यहां दबाव बढ़ जाता है। भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। राजाभोज एयरपोर्ट की ओर आवागमन करने वाले वाहन भारत माता चौराहा, भदभदा चौराहा, साक्षी ढाबा तिराहा, नीलबड़ तिराहे से दाएं मुड़कर नाथू बरखेड़ा, मुगालिया छाप, से खजुरी सड़क होते हुए मुबारकपुर चौराहा से घूमकर एयरपोर्ट पहुंच सकते हैं।

भोपाल । सोमवार को उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मथुरा वृंदावन की गौ-शाला में गौ-सेवा की।

पारम्परिक मेलों और भव्य यात्राओं का प्रभावी माध्यम से करें प्रचार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने मप्र पर्यटन बोर्ड के संचालक मंडल की बैठक में दिए निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के पारम्परिक भव्य मेलों और यात्राओं जैसे भगोरिया उत्सव एवं महाकाल की सवारी आदि का प्रभावी माध्यम से प्रचार करें। आधुनिक प्रचार -प्रसार के साथ पारम्परिक वाद्य यंत्रों को बजाने वाले स्थानीय कलाकारों और पारम्परिक नृत्य दलों को जोड़कर उन्हें प्रोत्साहित करें। इससे स्थानीय कला और पारम्परिक नृत्यों का भी प्रचार-प्रसार होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड के संचालक मंडल की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पर्यटन बोर्ड की संरचना, दायित्वों, निवेश संवर्धन की नीतियों, प्रचार-प्रसार और पर्यटन विकास कार्यों की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में राजा भोज की कलाओं और साहित्य पर आधारित रिसर्च सेंटर या म्यूजियम बनाने की योजना पर कार्य करें। युवाओं को आकर्षित करने वाली साहसिक गतिविधियों को बढ़ावा दें। प्रदेश में फिल्मांकन के लिए आने वाले प्रोडक्शन हाउस और कलाकारों से समन्वय कर प्रदेश की अच्छी योजनाओं और उपलब्धियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा के संचालन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिन मार्गों पर यात्रियों की बुकिंग अधिक आ रही है, वहां उड़ानों की संख्या बढ़ायें। अधिक बैठक क्षमता वाले एयरक्राफ्ट संचालित करें। धार्मिक तीर्थ दर्शन योजना में वायु सेवा के मार्ग को शामिल करें। साथ ही शासन के क्लास-2 और 3 कार्यपालिक अधिकारियों को भी पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा द्वारा आवागमन के लिए पात्रता पर विचार कर प्रस्ताव बनायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के विश्वविद्यालय से जुड़कर पर्यटन क्षेत्र में रोजगारमूलक स्किल डेवलपमेन्ट कोर्स संचालित करने की योजना पर कार्य करें। इससे प्रदेश के अधिकाधिक युवा पर्यटन से जुड़ेंगे और उन्हें रोजगार भी मिलेगा। साथ ही सहकारिता के माध्यम से पर्यटन स्थलों के पास वे-साइड एमेनिटीज और हाईवे ट्रीट आदि को भी चलाने का प्रयास करें। प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म डेवलपमेन्ट बोर्ड श्री शिवशेखर शुक्ला ने पर्यटन बोर्ड की वर्तमान गतिविधियों, उपलब्धियों और आगामी कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण दिया।

राजधानी के वरिष्ठ छात्र नेता संजीव टन्डन का निधन

भोपाल। राजधानी के छात्र नेता रहे संजीव (बबली भाई) टंडन पिता स्वर्गीय एनसी टंडन का सोमवार रात्रि ग्यारह बजे दु:खद निधन हो गया। वो पिछले काफी समय से बीमार चल रहे थे और एक सप्ताह से केयर हॉस्पिटल में इलाजरत थे। सोमवार रात्रि में लगभग रात्रि 10 बजे उनकी तबियत अचानक से ज्यादा बिगड़ गयी और उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। अपने समय के प्रभावी छात्र नेता रहे संजीव टंडन अपने पिछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गये। संजीव रवीन्द्र कॉलेज के अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय के पदाधिकारी भी रहे। संजीव टंडन उच्च शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हुए। उनकी अंतिम यात्रा 16 जुलाई को उनके निवास- ई- 3 अरेरा कालोनी स्थित एचआईजी -3 गणेश मंदिर के पास से 11 बजे निकलेगी। अंतिम संस्कार भदभदा विश्रामघाट पर किया जायेगा। शोकाकुल पुत्र- पीयूष टंडन, भाई राजीव टंडन एवं अखिल टंडन।

मालवा-निमाड़ के 14 जिला मुख्यालयों पर स्मार्ट मीटरीकरण कार्य

भोपाल। डिजिटलाइजेशन और उपभोक्ताओं को अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी शहरों में स्मार्ट मीटर स्थापना कार्य प्राथमिकता के साथ कर रही है। मालवा-निमाड़ के 14 जिला मुख्यालयों पर स्मार्ट मीटरीकरण कार्य प्रारंभ किया गया था। इन सभी स्थानों पर उपभोक्ता सेवाओं में बढ़ोत्तरी हुई है। रीडिंग, बिलिंग को लेकर शिकायतें भी व्यापक रूप से घटी हैं। विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने बताया कि जुलाई के दूसरे सप्ताह की स्थिति में 14 शहरों(जिला मुख्यालयों) में स्मार्ट मीटर की स्थापना हुई है। इनमें इंदौर शहर में करीब 2.93 लाख स्मार्ट मीटर लगे है। इसके बाद उज्जैन में 80 हजार, रतलाम में 72 हजार, देवास में 46 हजार, खरगोन में 43 हजार स्मार्ट मीटर लगे है। इसके अलावा बड़वानी, झाबुआ, लीराजपुर, धार, खंडवा, शाजापुर, मंदसौर, नीमच में भी हजारों की संख्या में स्मार्ट मीटर लगे है।

एम्स में विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस मनाया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल के बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग द्वारा आज विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस मनाया गया साथ ही विभाग ने अपना स्थापना दिवस भी मनाया। इस अवसर पर एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह ने कहा कि हमें अपनी उपलभब्धियों पर संतोष करके नहीं बैठ जाना चाहिए बल्कि आने वाले समय के लिए नये लक्ष्या निर्धारित करके आगे बढ़ना होगा। उन्होंने विभाग को आउटरीच एक्टिविटीज बढाने पर जोर दिया। विशेष कर जलने के मामलों में किस तरह से प्राथमिक उपचार करना चाहिए, इसके अलावा बचाव के तरीके भी लोगों को बताने चाहिए। प्रोफेसर सिंह ने आशा व्यनक्त करते हुए कहा कि बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग शीघ्र ही स्किन बैंक शुरू करेगा, ताकि कैडवरिक स्किन को एक स्वस्थ तरीके से इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने उपलब्ध संसाधनों का समुचित प्रयोग करने पर भी जोर दिया। इससे पूर्व बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग के प्रमुख प्रोफेसर (डॉ) मनल खान ने विभाग की उपलब्धियां की चर्चा करते हुए कहा की 2013 में शुरू किए गए ओपीडी और ऑपरेशन थिएटर के बाद अब तक 22000 से भी अधिक सर्जरी की जा चुकी हैं।

हर महीने 75 से 80 मेजर सर्जरी की जाती हैं। ओपीडी के मामले पिछले दो वर्षों में 6300 से बढ़कर 9700 हो गए हैं। जबकि इस वर्ष केवल छ: महीनों के दौरान ही 5700 से अधिक मरीज ओपीडी में इलाज पा चुके हैं। इस अवसर पर बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग के पूर्व छात्र भी उपस्थित रहे। इस दौरान सिर एवं गले का ऑन्को रिकंस्ट्रक्शन विषय पर एक सीएमई का भी आयोजन किया गया। सीएमई में जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज से प्रोफेसर (डॉ) पवन अग्रवाल, टीएमएच मुंबई से प्रोफेसर (डॉ) दुष्यंत जायसवाल, जीएमसी भोपाल से प्रोफेसर (डॉ) अरुण भटनागर, भोपाल से ही डॉक्टर हरि सिंह बिसोनिया जबकि इंफाल से डॉक्टर माइकल लाईतोनजाम ने इस क्षेत्र में हुई नई प्रगति के बारे में जानकारी दी कार्यक्रम के दौरान संकाय सदस्य, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्यग लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर एमबीबीएस फाइनल ईयर के छात्रों के लिए बर्न एवं प्लावस्टिक सर्जरी विषय पर आयोजित प्रश्नोरत्तसरी प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को पुरूस्कृात भी किया गया।

एम्स में टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन

भोपाल। एम्स के कार्यपालक निदेशक प्रोफ़ेसर (डॉ) अजय सिंह के मार्गदर्शन में 13 और 14 जुलाई को एक टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका आयोजन एम्स भोपाल की खेल समिति द्वारा किया गया था। प्रतियोगिता का उद्घाटन डीन एकेडमिक डॉ रजनीश जोशी ने किया। इस प्रतियोगिता में कुल 36 खिलाडियों ? ने हिस्सा लिया। पुरुष एकल मुकाबले में डॉ वरद काबरा ने डॉक्टर वरुण मल्होत्रा को हराकर पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि पुरुष डबल मुकाबले में वरद काबरा और अक्षत साईं की जोड़ी ने डॉक्टर मूरत सिंह यादव और डॉक्टर वरूण मल्होत्रा की जोड़ी को हराया। वहीं दूसरी ओर महिला एकल मुकाबले में खुशी रणदिवे ने डॉ ऐश्वर्या को हराकर बाजी जीती, जबकि मिक्सड डबल्सू मुकाबले में डॉक्टर वरूण मल्होत्रा और खुशी रणदिवे की जोड़ी ने डॉ सुमित राज और डॉ ऐश्वर्या को हराकर प्रथम स्थाणन प्राप्त किया।

प्रदेश सरकार की कन्यादान योजना ने खत्म की माता-पिता की चिंता : गोविंद सिंह राजपूत

जैसीनगर, राहतगढ़ में हुए 1500 से अधिक मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आज वर वधु की कल्पनाओं को पूरा करने का दिन है। आप सभी एक पेड़ मां के नाम एवं एक पेड़ अपनी शादी की याद में अवश्य लगाए। उक्त विचार खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सुरखी विधानसभा क्षेत्र के जैसीनगर एवं राहतगढ़ में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत 1500 से अधिक कन्याओं के सामूहिक विवाह के अवसर पर व्यक्त किये। इस अवसर पर खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री राजपूत ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आज बड़ी खुशी का दिन है जब हमारी बहने, भाई अपनी कल्पनाओं के सपनों को पूरा करने के लिए अपने नये दांपत्य जीवन की शुरुआत करेंगे।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के माध्यम से कन्याओं की शादी करने का जो अभियान चलाया है ऐसे अभियान से हमारे गरीब माता-पिता के माथे की चिंताएं दूर हो गई हैं। उन्होंने कहा की लड़की की शादी करने में माता-पिता सहित संपूर्ण परिवार चिंतित रहता था और हजारों रुपया कर्ज लेकर शादी करता था, किंतु मध्यप्रदेश की सरकार ने सबकी चिंताएं दूर करते हुए मुख्यमंत्री कन्यादान योजना प्रारंभ की और आज इसी योजना के माध्यम से जैसीनगर में 516 से अधिक विवाह संपन्न हुए जबकि राहतगढ़ में 800 से अधिक विवाह हुए एवं 106 निकायों में पूरे धार्मिक विधि विधान के साथ संपन्न हुए। मंत्री श्री राजपूत ने कहा आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना एक पेड़ अपनी मां के नाम अभियान के अंतर्गत एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशों के अनुसार सभी नव दंपतियों को 49 हजार का चेक, दो-दो पौधों का वितरण किया एवं संकल्प दिलाया कि सभी जाकर अपनी मां के नाम एक पौधा एवं अपनी शादी की याद में एक पौधा रोपण करेंगे। उन्होंने कहा कि आप सभी का जीवन सुखमय एवं भरा पूरा रहे यही मेरी और प्रदेश सरकार की मनोकामना है।

कई जनप्रतिनिधि बने विवाह के साक्षी : इस अवसर पर जैसीनगर जनपद अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष हरनाम सिंह, साहब सिंह, किसान मोर्चा अध्यक्ष धीरज सिंह, प्रियंका तिवारी, डब्बू आठिया, जिला पंचायत सदस्य अर्पणा, राहतगढ़ में जनपद अध्यक्ष मीना आदिवासी, जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि अरविंद सिंह टिंकू राजा, मंडल अध्यक्ष अमित राय, भाजपा नेता विनोद ओसवाल, विनोद कपूर, गोविंद सिंह, शैलेंद्र श्रीवास्तव, रामकुमार यादव, डैनी जैन, अनिल श्रीवास्तव, अंकू चौरसिया, जहीर कुरैशी, सुरेन्द्र रघुवंशी, शैलेन्द्र राय सहित एसडीएम राहतगढ़ अशोक सेन, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एसके प्रजापति, एसडीएम जैसीनगर रोहित वर्मा, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीराम सोनी, तहसीलदार सुनील वाल्मीकि सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं वर वधु परिवार के हजारों सदस्य मौजूद थे।

विवाह के दौरान सपत्नीक भावुक हो गए मंत्री राजपूत

इस अवसर पर मंत्री श्री राजपूत की धर्मपत्नी एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सागर श्रीमती सविता राजपूत ने भाव विभोर होकर धार्मिक गीत गाकर सभी की आंखें नम कर दी। इस अवसर पर मंत्री श्री राजपूत भी अपने आप को नहीं रोक सके और उनकी आंखें भी आंसुओं से नम हो गई। उन्होंने कहा कि आज मुझे लग रहा है कि हमारी इतनी बेटियां हमसे विदा ले रही हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी हमसे विदा अवश्य ले रहे हैं किंतु आप सभी को जब भी जरूरत पड़े आपका भाई, आपका पिता तुल्य मंत्री हमेशा आपके साथ खड़ा है, चिंता करने की कोई बात नहीं। मंत्री श्री राजपूत ने धर्मपत्नी के साथ सभी नव दंपतियों के ऊपर पुष्प वर्षा कर आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर नरयावली विधायक प्रदीप लारिया सभी जोड़ों को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने लोगों की हर छोटी बड़ी समस्याओं को लेकर योजनाएं बनाई है जिससे लोगों का जीवन स्तर सुधरा है।

सम्पादकीय

राज्यसभा और बहुमत का आंकड़ा !

लोकसभा में भले ही भाजपा को अकेले बहुमत नहीं मिला हो, लेकिन एनडीए को बहुमत हासिल है। और इसी आधार पर एनडीए सत्ता में काबिज है। लेकिन राज्यसभा एक बार फिर सत्तापक्ष के लिए बड़ी समस्या के रूप में सामने होगी, क्योंकि यहां न केवल भाजपा बहुमत से पिछड़ी है, अपितु एनडीए के सहयोगी दलों को मिलाकर भी बहुमत का आंकड़ा नहीं हो पा रहा है।

बीते सप्ताह राज्यसभा के चार मनोनीत सदस्यों के अपना कार्यकाल पूरा कर लेने के बाद सदन में बीजेपी के सदस्यों की संख्या घटकर 86 रह गई। सदस्यता हासिल करने के बाद ये चारों औपचारिक तौर पर बीजेपीसे जुड़ गए थे। जाहिर है, अब सत्तारूढ़ पार्टी के फ्लोर मैनेजरों को बहुमत साधने के लिए थोड़ी और मशक्कत करनी पड़ेगी।

देखा जाए तो राज्यसभा में बहुमत से दूरी बीजेपी के लिए कोई नई बात नहीं है। लोकसभा में अपने दम पर बहुमत लेकर सरकार बनाने के बाद भी बीते दस वर्षों में उसे ऊपरी सदन में बहुमत प्राय: मैनेज ही करना पड़ा। आज भी जब लोकसभा में सत्तारूढ़ एनडीए को पूर्ण बहुमत हासिल है, राज्यसभा में उसकी कुल सदस्य संख्या 101 तक ही पहुंच पा रही है। 225 की मौजूदा सदस्य संख्या वाले सदन में साधारण बहुमत के लिए 113 का आंकड़ा जरूरी है।

ऐसे में जब इसी महीने की 22 तारीख से संसद का बजट सत्र शुरू हो रहा है, केंद्र सरकार की एनडीए से बाहर के दलों पर निर्भरता बढ़ गई है। हालांकि अब तक के अनुभव की रोशनी में देखें तो इन दलों के बीच से जरूरी समर्थन जुटाना सरकार के लिए कोई मुश्किल लक्ष्य नहीं है। खासकर तब, जब 11 सदस्यों वाली वायएसआर कांग्रेस और 4 सदस्यों वाली अन्नाद्रमुक जैसी पार्टियां समर्थन देने को तैयार नजर आती हों।

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं राज्यसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन की बहुमत से यह दूरी लंबे समय तक बनी रहेगी, ऐसा लगता नहीं। अभी सदन की कुल 20 सीटें खाली हैं। इनमें 11 सीटें निर्वाचित प्रतिनिधियों की हैं, जिनके लिए चुनाव इसी साल होने हैं। विधायकों की मौजूदा संख्या को देखते हुए इनमें से सात सीटें सहयोगी दलों को मिलनी तय मानी जा सकती हैं। इसके अलावा अगर महाराष्ट्र में विधायकों को एकजुट रखा जा सका तो दो सीटें इनके खाते में और जुड़ जाएंगी।

दूसरी ओर विपक्ष की बात करें तो सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के पास अभी 26 सदस्य हैं। तेलंगाना विधानसभा की बदली सूरत के मद्देनजर वहां से एक सीट का इजाफा होना भी लगभग तय है। चूंकि नेता प्रतिपक्ष के पद के लिए न्यूनतम 25 सीटों की जरूरत होती है, इसलिए उस पर पार्टी को कोई खतरा नहीं है। कुल मिलाकर, आशा की जा सकती है कि विधेयकों पर राज्यसभा में आने वाले वक्त में सार्थक बहस दिखेगी। हां, सत्तापक्ष अपने हिसाब से विधेयक पारित करा पाएगी, इसमें संदेह ही लगता है।

वैसे पिछले अनुभव तो यही बताते हैं कि संख्या बल का अनुपात बहस के लिए जरूरी नहीं होता। संसद में पिछले कई सालों से मुद्दों पर सार्थक बहस होते दिखाई नहीं दी। विपक्ष शोर शराबा और हंगामे को अपना हक मानता दिख रहा है और सत्तापक्ष अपने बहुमत और विपक्ष के हंगामे का पूरा फायदा उठाता आ रहा है। चर्चा बहुत ही कम हो गई है, उसके बदले मुद्दों पर हंगामा होता है, या ये भी कह सकते हैं कि चर्चा की अनुमति न मिलने के कारण विपक्ष को हंगामा करना पड़ता है और फिर वाक आउट, सदन स्थगित होने की घटनाएं देखने को मिल जाती हैं।

ऐसा लगता है कि संसद का फ्लोर सरकार होने का प्रमाण और उसे चलाने का ही माध्यम रह गया है। सदन का उपयोग या जनहित में कितना होता है, शायद देश की जनता भी इस बात को गंभीरता से नहीं लेती। यदि नागरिक और खासकर मतदाता मुद्दों पर ही ध्यान देता तो चुनावों की दिशा भी बदल जाती। निश्चित तौर पर इसीलिए सत्तापक्ष भी बहुत सुकून का अनुभव कर रहा है, कि उसकी सरकार तो चलती रहेगी, देखेंगे राज्यसभा में जो होगा। या तो मैनेज कर लेंगे। कोई विधेयक पारित नहीं होगा, तो विपक्ष के सिर पर ठीकरा फोड़ दिया जाएगा।

संविधान "हत्या" और "बचाव" की गरमाती राजनीति

-अरुण पटेल

2024 के लोकसभा चुनाव में संविधान बचाओ के नारे पर इंडिया गठबंधन को अच्छी-खासी सफलता मिली जबकि 2014 के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा बहुमत से पीछे रह गयी, हालांकि सहयोगियों के साथ मिलकर उसने अपनी सरकार बना ली। राहुल गांधी, अखिलेश यादव सहित इंडिया गठबंधन के लोगों ने न केवल संविधान हाथ में लेकर लोकसभा की सदस्यता की शपथ ली बल्कि वे अभी भी इसे एक मुद्दा बनाये हुए हैं। अब इस मुद्दे पर पलटवार की बारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की ओर से सामने आई है, जब गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर 25 जून को हर वर्ष 'संविधान हत्या दिवस' मनाने की घोषणा कर दी। इसके जवाब में समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने अपनी तरफ से सरकार को आइना दिखाने का प्रयास करते हुए कौन से दिवस मनाना चाहिये इसकी लम्बी-चौड़ी फेहरिस्त जारी कर दी। गृहमंत्री अमित शाह ने गृह मंत्रालय की अधिसूचना को एक्स पर साझा करते हुए कहा कि आपातकाल के अमानवीय दर्द झेलने वालों का स्मरण 'संविधान हत्या दिवस' करायेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संविधान हत्या दिवस घोषित करने पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि संविधान के साथ हत्या शब्द जोड़ना उनकी संविधान विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।

मोदी सरकार ने पिछले दस वर्षों के कार्यकाल में हर दिन संविधान हत्या दिवस ही मनाया है। प्रधानमंत्री के वैचारिक परिवार ने नवम्बर 1949 में भारत के संविधान को खारिज कर दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने शुक्रवार 12 जुलाई 2024 को एक बड़ा राजनीतिक धमाका करते हुए 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' घोषित कर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी। आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर का सियासी फायदा उठाते हुए मोदी सरकार ने यह कदम उठाया। इस कदम में आखिर निहितार्थ क्या हैं यह तलाशे जा रहे हैं।

राजनीतिक गलियारों में यह माना जा रहा है कि जिस तरह से लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की अगुवाई करने वाले इंडिया गठबंधन ने मोदी सरकार के खिलाफ 'संविधान बचाओ' नारे को उछाला इस पर यह सत्तापक्ष का एक पलटवार माना जा सकता है। अब हर साल 'संविधान हत्या दिवस' के बहाने भाजपा नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन आपातकाल की याद दिलाकर जनता को तत्कालीन इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के रवैये की याद दिलायेगा। नरेंद्र मोदी ने कहा है कि 25 जून को संविधान हत्या दिवस देशवासियों को यह याद दिलायेगा कि संविधान को कुचले जाने के बाद देश को कैसे हालातों से गुजरना पड़ा था। यह दिन उन सभी लोगों को नमन करने का भी है जिन्होंने आपातकाल की पीड़ा झेली। देश कांग्रेस के इस कदम को इतिहास के काले अध्याय के रुप में याद रखेगा।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को भरोसा है कि संविधान हत्या दिवस

प्रत्येक भारतीय में लोकतंत्र की रक्षा व व्यक्तिगत स्वतंत्रता की ज्योति को जीवित रखने का काम करेगा ताकि कांग्रेस जैसी कोई तानाशाही मानसिकता इसकी पुनरावृत्ति न कर पाये। इसका उद्देश्य उन लोगों का सम्मान करना है जिन्होंने लोकतंत्र को पुर्नजीवित करने के लिए संघर्ष किया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सुर्खियां बटोरने की यह एक और कवायद की गयी है, जबकि उन्होंने 4 जून 2024 को व्यक्तिगत राजनीतिक और नैतिक हार सुनिश्चित किये जाने से पहले 10 वर्षों तक अघोषित आपातकाल लगाया था। प्रधानमंत्री के वैचारिक परिवार ने नवम्बर 1949 में ही भारत के संविधान को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि यह मनु स्मृति से प्रेरणा नहीं लेता है। यह एक ऐसे नान-बायोलाजिकल प्रधानमंत्री हैं जिनके लिए डेमोक्रेसी का मतलब डेमोकुर्सी है।

समाजवादी पार्टी सुप्रीमो और लोकसभा में सपा सांसदों के नेता अखिलेश यादव ने एक्स पर भाजपा से कुछ सवाल पूछते हुए तंज किया कि 30 जनवरी को 'बापू हत्या दिवस व लोकतंत्र हत्या दिवस' संयुक्त दिवस के रुप में मनाया जाना चाहिये क्योंकि इसी दिन चंडीगढ़ में भाजपा ने मेयर के चुनाव में धांधली की थी। उन्होंने भाजपा से सवाल पूछा है कि मणिपुर में नारी के 'मान-अपमान हत्या दिवस', हाथरस की 'बेटी हत्या दिवस', लखीमपुर में 'किसान हत्या दिवस' और कानपुर देहात में 'मॉ-बेटी हत्या दिवस', तीन काले कानून से 'कृषि हत्या दिवस', पेपर लीक करके हुए 'परीक्षा प्रणाली हत्या दिवस', अग्निवीर योजना से हुए 'सामान्य सैन्य भर्ती दिवस' बेरोजगारी से हुए 'सपनों के हत्या दिवस', बढ़ती महंगाई से हुए आम परिवारों के 'भविष्य के हत्या दिवस', यश भारती जैसे पुरस्कार बन्द करने से हुए 'हुनर सम्मान हत्या दिवस' के साथ ही उन्होंने 'सामाजिक न्याय हत्या दिवस', 'आरक्षण हत्या दिवस', 'पुरानी पेंशन हत्या दिवस' और संदेहास्पद हो गयी ईवीएम न हटाकर 'वैलेट पेपर हत्या दिवस' जैसे भाजपा राज में आये अनेकों काले दिनों के लिए कौन-सी तिथि चुनी जाए।

राहुल की पार्टी नेताओं को सीख

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कभी भी सोनिया गांधी, राहुल गांधी और उनके परिवार पर हमला करने का कोई मौका हाथ से नहीं जाने दिया, वे इस परिवार को लेकर हमेशा आक्रामक मुद्रा में नजर आती थीं। लोकसभा चुनाव 2024 में अमेठी से हारने के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अपना सरकारी बंगला खाली कर दिया और गुरुवार 11 जुलाई 2024 को अधिकारियों ने इसके बारे में जानकारी दी। सरकारी आवास खाली करने के बाद लोग स्मृति ईरानी पर सोशल मीडिया में निशाना साध रहे थे, लेकिन लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने स्मृति ईरानी के बचाव में ट्वीट किया कि जीवन में हार-जीत लगी रहती है, मैं सभी से अपील करता हूं कि वे स्मृति ईरानी या किसी अन्य नेता के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल और बुरा बर्ताव करने से बचें। राहुल ने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा कि लोगों को नीचा दिखाना और अपमान करना कमजोरी की निशानी है ताकत की नहीं। इसके उलट भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने लिखा कि यह अब तक का सबसे कपटपूर्ण मैसेज है, कांग्रेस नेताओं को भेड़ियों के झुंड की तरह उस महिला के पीछे छोड़ दिया गया था।

और यह भी

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शिवराज सिंह चौहान सरकार का वह फैसला पलट दिया है जिसके तहत इंदौर में 24 घंटे बाजार खुलने थे।मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने पूर्व में जारी आदेश निरस्त कर दिया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर इंदौर में रात्रिकालीन बाजार एवं व्यवसायिक संस्थानों के संचालन में नई व्यवस्था लागू होगी। इस संबंध में शीघ्र ही नई कार्ययोजना बनाकर बाजार एवं व्यवसायिक संस्थाओं का संचालन रात्रि में होगा। कलेक्टर आशीष सिंह ने पूर्व में इंदौर शहर में निरंजनपुर चौराहे से राजीव गांधी चौराहे तक, बीआरटीएस कारीडोर में विभिन्न व्यवसायिक, औद्योगिक, कार्यालय आदि संस्थानों के लिए 24 घंटे संचालन संबंधी आदेश को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है।

यह आदेश दो साल पहले जारी किया गया था। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये इंदौर संभाग के मंत्रियों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी। इस बैठक में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने ड्रग के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने और इंदौर में रात्रिकालीन बाजार एवं व्यवसायिक संस्थानों के संचालन के संबंध में नई व्यवस्था लागू करने के संबंध में विषय रखा था। मुख्यमंत्री ने तत्काल निर्देश दिये कि इंदौर में शीघ्र ही विस्तृत कार्ययोजना बनाकर रात्रिकालीन बाजार, औद्योगिक संस्थान, कार्यालय संचालन आदि के संबंध में नई व्यवस्था लागू की जायेगी। ड्रग के अवैध कारोबार पर भी प्रभावी रुप से रोक लगाई जायेगी। बड़े दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई भी होगी।

महिला सशक्तीकरण को मज़बूत करता फ़ैसला

राकेश दुबे

ताज़ा हए नए फ़ैसले में देश की शीर्ष अदालत ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में नई पहल की है। सुप्रीम कोर्ट ने इस फ़ैसले में स्पष्ट किया है कि मुस्लिम महिलाएं भी पूर्व सीपीसी की धारा 125 के तहत भरण-पोषण की हकदार हैं। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने इस सिद्धांत की व्याख्या की कि भरण-पोषण किसी तरह का दान नहीं बल्कि सभी विवाहित महिलाओं का मौलिक अधिकार है।

अब चाहे महिला किसी भी धर्म की क्यों न हो। दरअसल, अदालत का फैसला तेलंगाना के मोहम्मद अब्दुल समद की अपील के जवाब में आया है। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने भी इसी तरह का फैसला दिया था, जिसे शीर्ष अदालत ने बरकरार रखा। अब्दुल समद ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ता ने दलील दी थी कि एक तलाकशुदा महिला केवल मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकार संरक्षण) अधिनियम 1986 के तहत ही भरण-पोषण की मांग कर सकती है। शीर्ष अदालत ने उसकी अपील को खारिज कर दिया। कोर्ट का मानना था कि धारा 125 देश की सभी महिलाओं पर लागू एक धर्मनिरपेक्ष प्रावधान है। उल्लेखनीय है कि यह फैसला ऐतिहासिक शाह बानो प्रकरण की याद ताजा करता है।

इस मामले में शीर्ष अदालत ने धारा 125 के तहत एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला के भरण-पोषण के अधिकार के पक्ष में फैसला सुनाया था। यह फैसला 1986 के उस अधिनियम के बावजूद था, जिसमें इस अधिकार को सीमित करने के प्रावधान किये गये थे। बहरहाल,

अदालत का हालिया फैसला धारा 125 की स्थायी स्वीकार्यता को सिद्ध करता है। यह भारतीय न्यायतंत्र की खूबसूरती ही है कि अधिनियम के विकास और उसके बाद के न्यायिक उदाहरणों ने तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के भरण-पोषण के अधिकारों का उत्तरोतर विस्तार ही किया है। निस्संदेह, शीर्ष अदालत का फैसला महिलाओं को उनके न्यायोचित अधिकार दिलाने तथा संरक्षण की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है।

अदालत ने इस फैसले के जरिये यह संदेश देने का प्रयास किया है कि जब हम 21वीं सदी में सर्वांगीण विकास व सभ्यता के समृद्ध होने का दावा करते हैं तो महिलाओं के अधिकारों को लेकर भी हमारी सोच प्रगतिशील होनी चाहिए। उनके प्रति संकीर्ण मानसिकता के चलते ही महिलाओं की स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं हो पाया है। अदालत का नवीनतम निर्णय विकास क्रम के अनुरूप यह सुनिश्चित करता है कि देश में किसी भी धर्म की महिला अपने अधिकारों से वंचित न रहे। साथ ही यह भी कि विवाह विच्छेदन के बाद भी महिला को भरण-पोषण के लिये आर्थिक सहायता पाने का अधिकार है।

वस्तुत: अदालत ने भारत में लैंगिक न्याय और समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। यह फैसला न केवल संवैधानिक सिद्धांतों को कायम रखता है बल्कि मुस्लिम महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा को भी मजबूत करता है। साथ ही यह फैसला भविष्य के मामलों के लिये भी एक मिसाल स्थापित करता है। इस फैसले का मानवीय पक्ष यह भी है कि यदि तलाकशुदा महिला का आय का कोई नियमित जरिया नहीं है तो भरण-पोषण के लिये आर्थिक मदद न मिल पाने से उसके जीवन-यापन का संकट बड़ा हो जाता है।

विडंबना यह है कि भारत में मायके पक्ष के सक्षम होने के बावजूद तलाकशुदा बेटी को साथ रखने को अच्छी नजर से नहीं देखा जाता। जिससे तलाकशुदा बेटियों का जीवन-यापन दुष्कर हो जाता है। ऐसी महिलाओं के जीवन में यह फैसला एक नई रोशनी बनकर आया है। निस्संदेह, फैसला स्वागतयोग्य है और इसके दूरगामी गहरे निहितार्थ भी हैं। पिछली राजग सरकार के दौरान बने तीन तलाक कानून ने भी मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों को संरक्षण प्रदान किया था। यह फैसला देश की सोच में आए बदलाव का भी प्रतीक है। करीब चार दशक पहले शाह बानो केस में कोर्ट के ऐसे ही प्रगतिशील फैसले को तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने अपनी विधायी शक्ति से पलट दिया था। जिसके बाद देश में ध्रुवीकरण की राजनीति को बल मिला था। निस्संदेह, चार दशक बाद अब भारतीय समाज में लैंगिक समानता को लेकर सोच में व्यापक बदलाव आया है।

राज-काज: प्रदेश की यह भाजपा सरकार मिली-जुली जैसी....

दिनेश निगम 'त्यागी

सुनने में यह बात अटपटी लगेगी लेकिन सच यह है कि प्रदेश की भाजपा सरकार मिली-जुली सरकार है। यह ऐसी सरकार है जिसमें कांग्रेस के किसी नेता और कार्यकर्ता का कोई काम नहीं रुकता। वजह हैं कांग्रेस से आए वे विधायक जो इस सरकार में मंत्री हैं। यह स्थिति शिवराज सिंह के नेतृत्व वाली पिछली सरकार में भी थी। तब ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में कांग्रेस के 22 विधायक भाजपा में आए थे और इनमें से लगभग एक दर्जन मंत्री बन गए थे। डॉ मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार में भी लगभग ऐसी ही हालात हैं। तुलसीराम सिलावट और गोविंद सिंह राजपूत सहित तीन मंत्री सिंधिया समर्थक हैं। इसके अलावा परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह भी कांग्रेस से ही भाजपा में आए थे। अब कांगेस के 6 बार के विधायक राम निवास रावत मंत्री बन गए। ज्यादा समय हो गया लेकिन उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला को भी कांग्रेस की पृष्ठभूमि का माना जाता है। कांग्रेस से आए और अमरवाड़ा से जीते कमलेश शाह के भी मंत्री बनने की संभावना है। जब कांग्रेस से आए इतने नेता मंत्री हैं तो किसी कांग्रेसी का काम कैसे रुक सकता है? आखिर, ये सभी कांग्रेस में रहे हैं, इसलिए इनके संबंध कांग्रेस में ही ज्यादा हैं। ऐसे में यदि प्रदेश की भाजपा सरकार को मिली-जुली कहा जाए तो इसमें गलत क्या है?

रघुजी की मांग पूरी कर पाएंगे मुख्यमंत्री डॉ यादव....!

रघुजी के नाम से चर्चित रघुनंदन शर्मा भाजपा के ऐसे वरिष्ठ नेता और आरएसएस के स्वयंसेवक हैं जो खरी-खरी कहने और सुनाने के लिए जाने जाते हैं। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में वे कई बार इसका नुकसान उठा चुके हैं। जब शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने उन्हें घोषणावीर कह दिया था। नतीजे में उन्हें भाजपा का प्रदेश उपाध्यक्ष पद गंवाना पड़ा था और राज्यसभा का अधूरा कार्यकाल पूरा करने के बाद दूसरा अवसर नहीं मिला था। एक बार फिर उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मौजूदगी में सरकार, प्रशासन और राजनीति में व्याप्त गंदगी का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ?यादव पर्यावरण के शुद्धिकरण का अभियान चला रहे हैं लेकिन उन्हें सरकार में हर स्तर पर व्याप्त गंदगी के शुद्धिकरण का अभियान भी चलाना चाहिए। रघुजी का कहना है कि पार्षद, विधायक और मंत्री बिना लिए कोई?काम नहीं करते। कई अफसर निरंकुश हैं और बिना पैसा लिए कुछ नहीं करना चाहते। रघुजी ने कहा कि लोग आकर बताते हैं कि कोई भी काम बिना रिश्वत दिए नहीं होता। यह सुनने के बाद रात की नींद उड़ जाती है। रघुजी ने तो खरी-खरी सुना दी पर सबसे बड़ा सवाल है कि क्या मुख्यमंत्री डॉ यादव इस गंदगी के खिलाफ अभियान चलाने की हिम्मत दिखाएंगे। रघुजी ने कहा है कि यह करने की क्षमता डॉ यादव में ही है।

राम निवास को नहीं था भाजपा नेतृत्व पर भरोसा....!

कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक राम निवास रावत भाजपा में आने के बाद मंत्री बन गए, इसके साथ उन्होंने यह संकेत भी दे दिए कि उन्हें भाजपा नेतृत्व पर भरोसा नहीं था। उदाहरण है उनका विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा। भाजपा नेतृत्व की ओर से उन्हें राज्य मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने का वादा कर दिया गया था। इसी शर्त पर उन्होंने कांग्रेस छोड़ कर भाजपा ज्वाइन भी की थी। पर उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से तभी इस्तीफा दिया जब उन्हें मंत्री पद की शपथ दिला दी गई। इससे पहले उनसे जब भी सवाल किया गया, उन्होंने कहा कि जब समय आएगा वे इस्तीफा दे देंगे। यह विडंबना ही कही जाएगी कि जब उन्होंने मंत्री पद की शपथ ली, तब तक वे रिकार्ड में कांग्रेस विधायक ही थे। इसे लेकर शपथ से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने सवाल उठाए, इसके बाद प्रदेश कांग्रेस ने। राम निवास ने जवाब दिया कि वे 5 जुलाई को ही विधानसभा सचिवालय को अपना इस्तीफा सौंप दे चुके थे, जबकि इसकी पुष्टि नहीं हुई। विधानसभा सचिवालय की ओर से बताया गया कि रावत का इस्तीफा सोमवार 8 जुलाई को मिला। इससे साफ हो गया कि रावत ने इस्तीफा मंत्री बनने के बाद ही दिया। इससे यह भी स्पष्ट हो गया कि उन्हें भाजपा नेतृत्व पर भरोसा नहीं था, इसीलिए उन्होंने इस्तीफे के लिए मंत्री बनने का इंतजार किया।

साख बचाने का अंतिम अवसर भी गंवा बैठे नाथ....

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ 2018 से पहले प्रदेश अध्यक्ष बन कर केंद्र से प्रदेश की राजनीति में आए थे और पहले चुनाव के बाद ही मुख्यमंत्री बन गए थे। 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान भी उन्हें भावी मुख्यमंत्री के तौर पर प्रोजेक्ट किया जा रहा था। छिंदवाड़ा उनकी ताकत थी। ऐसे कमलनाथ की इतनी जल्दी ऐसी हालत होगी कि राजनीति में सब गंवा बैठेंगे, इसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। पर ऐसा हो गया। विधानसभा चुनाव बाद कमलनाथ मुख्यमंत्री बनने का सपना संजोए बैठे थे, लेकिन पार्टी को बुरी पराजय का सामना करना पड़ा। इसके बाद वे लोकसभा चुनाव तक प्रदेश अध्यक्ष बने रहना चाहते थे लेकिन उसे छीन लिया गया। कांग्रेस आला कमान ने प्रदेश अध्यक्ष पद पर जीतू पटवारी की नियुक्ति भी उनकी राय लिए बगैर कर दी। छिंदवाड़ा लोकसभा सीट उनकी अभेद्य गढ़ थी। इस बार कमलनाथ का यह गढ़ भी ध्वस्त हो गया। लोकसभा चुनाव के दौरान दीपक सक्सेना और विधायक कमलेश शाह जैसे उनके विश्वस्त साथ छोड़ गए। अमरवाड़ा विधानसभा सीट में जीत कर उनके सामने अपनी साख बचाने का अंतिम अवसर था। वह भी हाथ से निकल गया। भाजपा ने हारते-हारते यह सीट जीत ली। इसके साथ कमलनाथ अपनी बची साख भी गवां बैठे। अमरवाड़ा में भी कांग्रेस नहीं, कमलनाथ हारे हैं।

यह भार्गव-विश्नोई की नहीं, हर कार्यकर्ता की पीड़ा....

भाजपा के गोपाल भार्गव और अजय विश्नोई वरिष्ठ विधायक हैं। भार्गव लगातार 9 बार से विधानसभा का चुनाव जीत रहे हैं और अब तक अजेय हैं। इस चुनाव से पहले तक भार्गव लगातार भाजपा सरकार में ताकतवर मंत्री रहे हैं। अजय विश्नोई पहले मंत्री थे लेकिन बाद में उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया। विश्नोई की वरिष्ठता और योग्यता में कोई?कमी नहीं है। ऐसे में यदि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए विधायकों को मंत्री बनाया जाता है तो पीड़ा स्वाभाविक है। इसीलिए जब कांग्रेस से आए राम निवास रावत को मंत्री बनाया गया तो इनकी पीड़ा बाहर आ गई। भार्गव ने कहा कि वे 15 हजार दिन से लगातार विधायक हैं। प्रदेश में भाजपा के पास अच्छा बहुमत है फिर भी राम निवास को किस मजबूरी में मंत्री बनाया गया, समझ से परे है। उन्होंने यह भी कहा कि दिग्विजय सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान उन्हें कई तरह के प्रलोभन मिले लेकिन उन्होंने कभी पार्टी नहीं छोड़ी। साफ संकेत था कि मंत्री बनने के हकदार हम हैं। अजय विश्नोई की प्रतिक्रिया अलग ढंग से थी। उन्होंने कहा कि त्याग अपनों से कराया जाता है, दूसरा तो शर्तों के साथ आया है। रावत का मंत्री बनना समझौते की दोस्ती है। इसके साथ दोनों नेताओं का कहना था कि इस मसले पर भाजपा के नेता और कार्यकर्ता क्या सोचते हैं, इसका सर्वे करा कर देख लीजिए। सब पीड़ित नजर आएंगे।

अकेलेपन को एकांत में बदलने की कला

अकेलापन लंबे समय टिक जाए, तो अवसाद यानी डिप्रेशन में बदल जाता है। सबके जीवन में अकेलापन उतरता है। लेकिन उसको मिटाने के लिए, मोबाइल का सहारा न लें। सीता जी को अशोक वाटिका में अकेलापन सता रहा था, हनुमान जी अपने बनकर आए, हनुमान जी पर उन्होंने विश्वास किया, अकेलापन दूर हुआ।

अशोक वाटिका में एक पराई राक्षसी त्रिजटा थी, लेकिन उस पराई राक्षसी में भी सीता जी ने अपनापन देखा। उसने भी सीता जी का अकेलापन मिटाया। तो जब भी अकेलापन घेरे, अपनों को ध्यान से सुनें और परायों में भी अपनापन ढूंढें।

वरना ये अकेलापन मानसिक रूप से तो तोड़ेगा ही, शारीरिक रूप से भी कई बीमारियों को जन्म देगा। और समय ऐसा चल रहा है कि शरीर, मन और आत्मा तीनों को एकसाथ संभालना होगा। इनमें से एक के मामले में भी चूके, तो बाकी दो पर असर आएगा।

अकेलेपन को एकांत में बदल दीजिए। और एकांत का मतलब होता है आप और आपका ईश्वर, आप और आपकी आत्मा। एक परमशक्ति का आपके साथ होना, यही एकांत है। और इसमें योग बहुत मददगार होता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

क्षत-विक्षत हालात में शव मिलने से सनसनी, शिनाख्त करने में जुटी पुलिस

औबेदुल्लागंज । सोमवार को लगभग डेढ़ से 02 बजे के बीच औबेदुल्लागंज पुलिस को अज्ञात लाश मिलने की सूचना मिली। घटना स्थल वन विभाग बरखेड़ा रेंज के बिट गार्ड तुलसीराम ठाकुर द्वारा सूचना दी गई कि केरी बिट भ्रमण के दौरान चौका रेल्वे स्टेशन के रास्ते में जंगल के बरसती नाला में, एक अज्ञात व्यक्ति का शव पानी में तैरता हुआ औंधे मुंह पड़ा हुआ है। ऊक्त लाश की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष आंकी जा रही है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शव के दाहिने हाथ पर ÷दिलावर सिंह÷ गुदा है। शव पर केवल नीले रंग की अंडर वियर मिली है। शरीर पर अन्य कोई कपड़े नही हैं। प्रथम दृष्टा शव करीब 03 से 04 दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। अज्ञात मृतक की पहचान होने पर थाना प्रभारी औबेदुल्लागंज को मोबाइल नंबर 8770261428 पर सूचित करने की अपील की गई है

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायत की जांच हेतु खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग द्वारा राधिका होटल का औचक निरीक्षण

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने पटेरा ब्लॉक के ग्राम कुम्हारी में निरीक्षण कार्यवाही करते हुए रसगुल्ला एवं समोसा के नमूनें जांच हेतु लिए। कार्यवाही में पटेरा ब्लॉक के ग्राम कुम्हारी में कटनी रोड स्थित राधिका होटल का औचक निरीक्षण किया गया। होटल से खाद्य सामग्री में मिलावट करके ग्राहकों को विक्रय करने की सी.एम. हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज हुई थी। मौके पर रसगुल्ला एवं समोसा के नमूने जांच हेतु लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर इस संबंध में नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। उक्त होटल में फूड लाइसेंस मौके पर पाया गया। मैजिक बॉक्स की सहायता से खोवा, लड्डू, हल्दी पाउडर, मिर्च पाउडर की गुणवत्ता की ऑन द स्पॉट जांच की गई।

मानसून अवधि को देखते हुए नलकूपों के खनन से कलेक्टर ने हटाया प्रतिबंध

छतरपुर, । कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी संदीप जी.आर. ने पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा (3) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये एतद द्वारा जल प्रदाय सुरक्षित रख कर अबाध रखने हेतु छतरपुर जिले को अगली बरसात आने तक अथवा अन्य आदेश तक जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया था। जिला दंडाधिकारी श्री जी.आर. द्वारा वर्तमान में मानसून अवधि को देखते हुए नलकूप खनन सहित उक्त समस्त प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से हटाने का आदेश जारी किया गया है।

भौतिक स्टॉक की कमी एवं अन्य लापरवाही पाये जाने पर उचित मूल्य दुकानदार एवं प्रबंधक के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

सिवनी- जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा जानकारी देकर बताया गया कि कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन के निर्देशानुसार शासकीय उचित मूल्य दुकान खैरलांजी की जांच की गई थी। जांच के दौरान पीओएस मशीन की तुलना में भौतिक रूप से गेहूं 86.97 क्विंटल, चावल 331.76 क्विंटल एवं नमक 26.50 क्विंटल एवं शक्कर 23 क्विंटल कम पाई गई। इसके साथ ही फरवरी 2024 में विक्रेता जगन्नाथ वासुदेव की लापरवाही से 41 हितग्राहियों को राशन से वंचित होना पाया गया। उन्होंने बताया कि उक्त प्रकरण में न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व केवलारी के आदेशानुसार शासकीय उचित मूल्य दुकान खैरलांजी के विक्रेता जगन्नाथ वासुदेव, प्रबंधक संजय बाघमारे के विरूद्ध थाना केवलारी में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

सेंट थॉमस विद्यालय में नई विद्यालय कार्यकारी समिति का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

मंदसौर विद्यालय के सत्र 2024- 25 की कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण समारोह झाबुआ प्रांत के बिशप पीटर कराडी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ । सर्वप्रथम परंपरागत विद्यालयीन बैण्ड के साथ अतिथियों के आगमन के पश्चात छात्राओं ने तिलक लगाकर बिशप जी , फादर जॉनसन ,सिस्टर अभया सिस्टर निर्मला आदि का विद्यालय परिसर में स्वागत किया। मुख्य अतिथि बिशप स्वामी जी का स्वागत फादर जॉनसन व सिस्टर अभया ने पुष्प गुच्छो से किया। बिशप स्वामी , मैनेजर फादर जॉनसन, प्राचार्या सिस्टर अभया ने नए पदाधिकारी हेड बॉय अथर्व दातार, हेड गर्ल धुरियां लोखंडवाला ,रेड हाउस कैप्टन शुभम शर्मा एवं सिद्धि समधानी, ब्लू हाउस कैप्टन अमन सेठिया एवं हर्षी जैन , ग्रीन हाउस कैप्टन कृष्ण पाल सिंह एवं प्राची व्यास, यलो हाउस कैप्टन मयंक पुर्षवाणी एवं वैदेही सिंह कलेवा एवं सभी वॉइस हाउस कैप्टन आदि को शैलेश पहनाकर व बैच लगाकर नयी जिम्मेदारियां की शपथ दिलाई । इस अवसर पर बिशप जी ने अपने संबोधन में चुने हुए लीडर को अपनी जिम्मेदारियां को निभाकर विद्यालय में अनुशासन बनाए रखने की सलाह देते हुए सभी को बधाई व शुभकामनाएं एवं आशीष प्रदान किया। फादर जॉनसन ने अपने संबोधन में अच्छा लीडर बनने के लिए आशीष दिया , साथ ही अन्य विद्यार्थियों को एक अच्छा लीडर बनने के लिए प्रेरित भी किया । सिस्टर अभया ने सभी पदाधिकारीयों को शुभकामनाएं व बधाई देते हुए नई जिम्मेदारियां को निभाने के लिए प्रेरित किया ।

नर्सिंग घोटाले, नीट परीक्षा में रिश्वत लेने वाले खुलेआम घूम रहे हैं:जयवर्धन सिंह

प्रदेश में जो भी परीक्षाएं और उसमें जो घोटाले हुये हैं उससे प्रदेश बदनाम हुआ है, सदन में युवाओं के न्याय की लड़ाई जारी रहेंगी:उमंग सिंघार

भोपाल, 15 जुलाई 2024 भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे के नेतृत्व में आज अग्निवीर योजना, नर्सिंग एवं नीट घोटाला सहित छात्र संघ के चुनाव कराये जाने की मांग को लेकर आज राजधानी भोपाल के प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के सामने जनसभा और मप्र की भाजपा सरकार के खिलाफ जंगी प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया गया।

एनएसयुआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरूण चौधरी ने प्रदेश भर से आये एनएसयूआई के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये कहा कि अग्निवीर योजना और नर्सिंग घोटाले में संलिप्त केंद्र सरकार ने सीमा पर देश की सेवा करने वाले सैनिकों और बीमारियों से बचाने वाले डाक्टरों और युवाओं के साथ धोखा किया है। पहले गूगल पर सर्च करते थे तो भोपाल में लेक, मंदिर और एशिया की सबसे बड़ी ताजुल मस्जिद दिखती थी लेकिन अब गूगल पर भोपाल के बारे में सर्च करों तो स्केम की लंबी लिस्ट निकली है। मप्र पहले आरएसएस की नींव थी और अब भ्रष्टाचार की नींव बन गया है। इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि सरकार द्वारा छात्रों का साथ देने के बजाय सरकारी अधिकारी और मंत्रियों को संरक्षित किया जा रहा है। नीट के छात्रों, नर्सिंग के युवाओं को जब तक न्याय नहीं मिलेगा तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। अग्निवीर योजना को भी बंद कराया जाना चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि अच्छा नारा दिया है मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर कौन भारी-विश्वास सारंग भ्रष्टाचारी'' सदन में भी लगा था और आज इस मंच से भी लगा है। प्रदेश के 4 लाख छात्रों के साथ नर्सिंग घोटाला हुआ है, अनुसूचित जाति, जनजाति की बहनों ने अपना पेट काटकर नर्सिंग कॉलेजों की फीस भरी है। लेकिन सरकार बता नहीं पा रही है कि इन छात्रों का भविष्य क्या होगा। घोटाले की जांच करने जो सीबीई के अधिकारी आये थे वह भी भ्रष्ट निकले। प्रदेश में घोटालों

और घपलों की लंबी लिस्ट है। सरकार ने प्रदेश के छात्र और युवाओं के भविष्य को काला कर दिया है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी की सोच में खोट है। प्रदीप जोशी जो एनटीए का चेयरमेन है उसको पहले मप्र और छत्तीसगढ़ में पहले एमपीपीएससी, फिर यूपीपीएससी का चेयरमेन बनाया तब से लेकर आज तक घोटाले और फर्जीवाड़ा लगातार कर रहे हैं, लेकिन मोदी जी ने इन पर कोई कार्यवाही नहीं की। मोदी जी ईमानदार होते तो प्रदीप जोशी से इस्तीफा ले लेते।

श्री पटवारी ने कहा कि प्रदेश में 36 लाख युवा पंजीकृत बेरोजगार है, सरकार इनके लिए कुछ नहीं कर रही है। विधानसभा में विधायकों ने नर्सिंग और नीट परीक्षा को लेकर आवाज बुलंद की और भाजपा का चेहरा बेनकाव किया। छात्र नेताओं से कहा कि नर्सिंग और नीट से पीड़ित बहनों और युवाओं के घर-घर जाकर उनके संपर्क करों। हम इस आंदोलन को और बड़ा करेंगे। उन्होंने कहा 16 जुलाई को थाने जाकर विश्वास सारंग के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायेंगे और रिपोर्ट दर्ज कराने में पुलिस ने आनाकानी की तो 18 तारीख को नरेला विधानसभा में पदयात्रा निकालकर फिर सारंग के क्षेत्रांर्गत रिपोर्ट दर्ज कराने जायेंगे।

मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि यह बात सच है कि देश के युवाओं के साथ परीक्षाओं के नाम पर बड़े-बड़े घोटाले हो रहे हैं, जिससे प्रदेश बदनाम हो रहा है। घोटाले के सरगना प्रदीप जोशी को भाजपा के मंत्री और यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संरक्षण है। ऐसा पहली बार हुआ कि जब हमारे सभी विधायकों ने घोटालों और भ्रष्टाचार को लेकर मप्र सरकार को घेरा और सरकार छात्रों, युवाओं, किसानों, लाड़ली बहनों से डर गई और विधानसभा को स्थगित कर दिया। नर्सिंग घोटाला, नीट घोटाला, शिक्षकों की भर्ती, बैकलॉग भर्ती के लिए हमारी लड़ाई जारी रहेगी। सरकार के जो नुमाइंदे पकौड़े बैचने, पंचर की दुकान खोलने की जैसी बात करती है तो वह सरकार किसी की हितैषी नहीं हो सकती।

पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने कहा कि नर्सिंग की पढ़ाई के लिए छात्रों ने लाखों रूपये फीस भरी, प्रदेश में इतिहास में पहली बार ऐसी स्थिति बनी जहां इनता बड़ा नर्सिंग घोटाला हुआ है, 2021 में जिन छात्रों ने नर्सिंग में प्रवेश लिया वे अभी भी प्रथम वर्ष की ही पढ़ाई कर रहे हैं, उन्हें न तो डिग्री न अगली कक्षा में प्रवेश मिला। जिन्होंने रिश्वत ली, भ्रष्टाचार किया वह आज खुलेआम घूम रहे हैं, जिसकी चर्चा पूरे प्रदेश में गूंज रही है। छात्र नेता रवि परमार ने नर्सिंग घोटाले को लेकर आवाज उठायी, आज देश भर में इसकी चर्चा है। लेकिन रवि परमार पर भाजपा ने एक नहीं आठ-आठ झूठे मुकदमे लगा दिये, यहां तक कि घोटाले में संलिप्त मगरमच्छों द्वारा परमार को जान से मारने की धमकी दी गई।

मप्र भाराछासं के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने छात्रों की आवाज बुलंद करते हुये कहा कि मप्र में नर्सिंग घोटाला, नीट की परीक्षा में जो घोटाले हुये हैं उससे युवाओं का भविष्य बर्बाद हुआ है। मोदी सरकार ने देश सेवा करने वाले सैनिकों और आमजनों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने वाले डॉक्टरों के साथ भी कुठाराघात किया है। मोदी सरकार युवाओं का भविष्य बर्बाद करने की मंशा से अग्निवीर योजना लेकर आयी है, जिससे युवाओं का पूरा भविष्य चौपट हो जायेगा। वहीं मध्यप्रदेश सरकार ने पिछले कई वर्षों से छात्रों की राजनीति को समाप्त करने के उद्देश्य से छात्र संघ के चुनाव को समाप्त कर दिया है, जिससे प्रदेश के कॉलेज संचालकों की मनमानी चली रही है। घेराव कार्यक्रम को उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, पूर्व विधायकद्वय कुणाल चौधरी और विपिन वानखेड़े, मप्र कांग्रेस के प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी, भाराछास के राष्ट्रीय सचिवगण करन तमस्तेवार, देवकी पटेल ने भी संबोधित किया।

सरकार के इशारें पर पुलिस प्रशासन ने छात्र नेताओं पर बर्बरतापूर्वक लाठियां भांजी, आंसू गैस के गोले छोड़े, वॉटर केनन से पानी की बौछार की जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को हाथ में चोट आई और एनएसयुआई अध्यक्ष आशुतोष चौकसे गंभीर रूप से घायल हुये, साथ ही भाराछांस के पदाधिकारी सहित सैकड़ों छात्रनेता और कार्यकर्ता घायल हुये और उन्हें गंभीर चोटे आयी, जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मूंग खरीदी में व्यापक भ्रष्टाचार किसान परेशान

गाडरवारा । गाडरवारा क्षेत्र में मूंग खरीदी में व्यापक भ्रष्टाचार किसान परेशान है मूंग की तुलाई टाइम पर नहीं हो रही सरवेयर सरेआम किसानों से रिश्वत ले रहे हैं नान स्वक्त माल रिश्वत लेकर गोदामों में रखा जा रहा है सरकार को करोड़ों का चूना लगाया जा रहा है खरीदी केंद्र रिश्वत लेकर ऐसे गोदामों में बनाए गए जहां किसानों की ट्रैक्टर ट्रालियां फस रही है।

किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव देवेंद्र सिंह पटेल ने कहा है कि एप्रोच रोड और गोदाम की सड़क कच्चे हैं कीचड़ में ट्रॉली फंसने के कारण किसान दिन दिन पर परेशान रहता है समय पर मूंग की तुलाई नहीं हो पारही गाडरवारा क्षेत्र में डबल इंजन सरकार है क्षेत्र से कैबिनेट मंत्री एवं किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष क्षेत्र के सांसद हैं जो अपने आप को किसान पुत्र मानते हैं भी हैं माननीय मंत्री जी, सांसद जी एवं राज्य सरकार ,जिला कलेक्टर से अनुरोध है की मौके पर जाकर किसानों को मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराये उनकी परेशानियों को दूर करें भारी बरसात में केंद्रो पर ना तो बैठने की व्यवस्था है ना जन सुविधा के नाम पर किसी भी प्रकार की पेयजल शौचालय आदि की कोई व्यवस्था है ,जबकि क्षेत्र में बड़े-बड़े गोदाम खाली पड़े जहां मूलभूत सारी सुविधाएं हैं ,लेकिन प्रशासन और सरकार के प्रतिनिधियों ने जानबूझकर निजी स्वार्थ बस खरीदी केंद्रों पर किसानों को भारी बरसात में परेशान किया जा रहा है प्रशासन अविलंब ध्यान दें किसानों की मूंग की तुलाई समय पर हो और भ्रष्टाचार पर रोक लगे ताकि सरकार को करोड़ों का चूना लगने से बचाया जा सके। सरकार ने पहले खरीदी के आदेश में ही किसानों को ठग लिया है जहां 6 क्विंटल प्रति एकड़ खरीदी की जाती थी वहां तीन क्विंटल पर एकड़ खरीदी जा रही है किसान अपना आधा अनाज मंडियों में ओने पोने दामों पर बेचने पर मजबूर है चुनावो में नेताओं और पार्टीयों ने बड़े-बड़े बादे किसानों के लिए किये थे सरकार बनते ही उन बादो की कलई खुल गई है इनके दोहरे चेहरे का पर्दाफाश हो गया है यह सरकार किसान विरोधी है किसान ऐसा महसूस कर रहे हैं। सरकार से किसानों की मांग है की खरीदी केंद्रों में हुए व्यापक भ्रष्टाचार एवं मूंग खरीदी में चल रहे गोरख धंधे की जांच की जाए एवं दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही हो किसानों को न्याय दिलाए । मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है की किसान हित में 6 क्विंटल प्रति एकड़ खरीदी का आदेश दिया जाए ताकि किसानों की उपज पूरी तरह खरीदी जा सके। और गाडरवारा में चल रहे मूंग खरीदी के गोरख धंधे की जांच कर किसानों को न्याय दिलाए।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का हुआ शुभारंभ

सिवनी- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को मूर्त रूप देने के उ?देश्य से उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के 55 महाविद्यालयों का उन्नयन करते हुये प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बनाया गया है। एक्सीलेंस कॉलेज के रूप में चयनित शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिवनी का उद्घाटन समारोह दिनेश राय विधायक, सिवनी के मुख्य आतिथ्य एवं अध्यक्षता श्रीमती मालती डेहरिया अध्यक्ष जिला पंचायत, सिवनी, सुश्री संस्कृति जैन, कलेक्टर एवं सुनील मेहता, पुलिस अधीक्षक के विशिष्ट आतिथ्य में महाविद्यालय के प्रवेश द्वार पर पूजन अर्चन के बाद फीता काटकर शुभारंभ किया गया। अभिनव प्रयास के रूप में प्रारंभ किये गये भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ट, हिन्दी ग्रंथ अकादमी सेल काउंटर तथा विवेकानंद युवा संसाधन केन्द्र का शुभारंभ किया गया। मुख्य समारोह महाविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित किया गया। जिसमें मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवन कर संवेत स्वर में राष्ट्रगान हुआ। महाविद्यालय परिवार द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर अतिथियों का स्वागत तथा शॉल श्रीफल से सम्मान किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. रविशंकर नाग ने अपने स्वागत संबोधन में एक्सीलेंस कॉलेज की संकल्पना के अनुरूप महाविद्यालय में उपलब्ध अध्ययन, शोध एवं व्यक्तित्व व कौशल विकास कार्यक्रमों का विद्यार्थियों से अधिकाधिक लाभ लेने के लिये प्रोत्साहित किया। 5000 से अधिक छात्र/छात्राओं की उपस्थिति में विधायक दिनेश राय ने एक्सीलेंस कॉलेज की सौगात मिलने पर बधाई दी और कहा कि पढ़ लिख कर न केवल नौकरी करने वाले बल्कि नौकरी देने वाले बने। इस महाविद्यालय में बहुत बड़ी छात्र संख्या को देखते हुये आवश्यकता के अनुरूप संसाधन जुटाने के लिये भरसक प्रयास करूंगा। कलेक्टर संस्कृति जैन ने विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताते हुये महाविद्यालय में प्राप्त ज्ञान को जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन करते हुये आगे बढ़ने की बात पर जोर दिया। वही पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता न अपने उद्बोधन में एक्सीलेंस कॉलेज बनने पर शुभकामनाएं देते हुये न केवल छात्र/छात्राओं को बल्कि प्राध्यापकों को भी एक्सीलेंस को भी एक जिम्मेदारी लेने को कहा। जनभागीदारी अध्यक्ष अजय बाबा पांडेय ने वर्तमान समय में विद्यार्थियों सहित महाविद्यालयीन अधिकारियों, कर्मचारियों को जिम्मेदारियों के साथ काम करने की बात कही एवं हर संभव सुधारात्मक प्रयासों में साथ खड़े होने पर जोर दिया। अपने अध्यक्षीय उ?द्बोधन में आलोक दुबै ने सर्वप्रथम प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व प्रदेश सरकार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत व ज्ञान परंपरा से जुड़ते हुये आईआईटी दिल्ली के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक की आधुनिकतम शिक्षा की सुविधा इस महाविद्यालय में सौगात के रूप में मिली है। जिसका लाभ लेकर हमारे विद्यार्थी महाविद्यालय सहित प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।कार्यक्रम संचालक डॉ. एमसी सनोडिया ने पावरपाइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से महाविद्यालय में उपलब्ध संसाधन, नवीन पाठ्यक्रम व शैक्षणिक सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी।माध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशन में महाविद्यालय स्तरीय कार्यक्रम के उपरांत टू-वे वर्चुअल लिंक के माध्यम से इंदौर में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का लाईव प्रसारण का अतिथियों एवं छात्र/छात्राओं ने लाभ लिया। इसके उपरांत अतिथियों द्वारा विद्यावन में वृक्षारोपण किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के अन्य प्राचार्यों सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पत्रकार, भूतपूर्व छात्र/छात्राएं, एनसीसी, एनएसएस के कैडेट व महाविद्यालयीन कर्मचारी/अधिकारी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अरविंद चौरसिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।उपस्थित अतिथियों के द्वारा प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ किया गया है।

मगरमच्छ के हमले पर वन विभाग और राजस्व का अमला पूरी तरह से चौकस: कलेक्टर

ब्यारमा नदी और उससे लगे हुये नदी-नालों के क्षेत्र में बड़ी संख्या में मगरमच्छ

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले के नागरिकों से कहा है पहले कुछ दिनों में मगरमच्छ के हमले के कारण एक बच्चे का दुखद निधन हुआ है, मगरमच्छ के द्वारा एक दो हमले और किए गए हैं, इस मामले में वन विभाग और राजस्व का अमला पूरी तरह से चौकस है।

कलेक्टर कोचर ने आज संबंधितों को निर्देश दिए हैं कि सभी नदियों के किनारो पर और चिन्हित स्थानों पर बड़े अक्षरों में बोर्ड लगा दिए जाए। अभी वर्षा का जल नदियों में आ रहा है और पानी थोड़ा मटमैला होता है, ऐसी स्थिति में कई बार मगरमच्छ दिखाई नहीं देते हैं, ऐसे में कोई भी उसका शिकार बन सकता है, यह बहुत ही खतरनाक है।

कलेक्टर कोचर ने सभी नागरिकों से खास तौर पर ग्रामवासियों से आग्रह करते हुये कहा जो लोग ऐसी नदियों, नहरों और बांधों के किनारे रहते हैं और विशेष रूप से जिन स्थानों से ब्यारमा नदी निकली है, उससे लगे हुए जितने नदी और नाले हैं, उन सभी स्थानों पर सभी को विशेष सावधानी बरतनी है। पानी के लिए, कपड़े धोने के लिए या फिर नहाने के लिए ऐसे जलाशयों के नजदीक बिल्कुल ना जाए, यदि किसी काम से जाना पड़ता है, तो बहुत सावधानी बरतें, बच्चों को नदियों के किनारे नहाने के लिए अकेले ना भेजें, यह समय ऐसा है जब हमें नदी नालों के पास जाने से पूरी तरह सावधानी बरतनी चाहिये।

उन्होंने कहा हम सभी जगह सावधानी संबंधी बोर्ड लगवा रहे हैं, इसके अलावा जहां पर मगरमच्छ ने एक-दो बार हमला किया है, वहां पर वन विभाग की पूरी टीम लगी हुई है, यदि वह मगरमच्छ पकड़ में आ जाता है, तो उसको पकड़कर यथा स्थान भेज दिया जायेगा, उसके लिए टीम लगी हुई है। ब्यारमा नदी और उससे लगे हुए नदी नालों के क्षेत्र में बहुत बड़ी संख्या में मगरमच्छ है यदि हमने सावधानी नहीं रखी तो वे हमें नुकसान पहुंचा सकते हैं, इसलिए सभी से आग्रह है की नदियों में नालों में नहाने के लिए बिल्कुल ना जाए, यह दुस्साहस बहुत खतरनाक सिद्ध हो सकता है, नदियों के किनारे जाकर कपड़े धोने या और कोई अन्य काम ना करें, ताकि इससे आप बचे रहे और यदि आपको कहीं पर मगरमच्छ दिखाई देता हैं, तो उसकी सूचना तुरंत वन विभाग को दे। हम जो बोर्ड लगवा रहे हैं, उसमें फोन नंबर भी दिए जाएंगे, जिन पर खतरे की स्थिति में सूचित किया जा सकता है। इसमें विशेष रूप से सावधानी रखें और अपने आप को और परिवार को सुरक्षित रखें।

जटाशंकर कांवड़ यात्रा 24 को सोहागपुर पहुंचेगी

सोहागपुर। जटाशंकर कावड़ यात्रा समिति के बेनर तले प्रतिवर्ष नर्मदापुरम के सेठानी घाट से पचमढ़ी के जटाशंकर महादेव तक 130किलोमीटर विशाल कावड़ यात्रा का आयोजन विगत 21 साल की जाती है। इसी क्रम कांवड़ यात्रा के 22 वें साल में सैकड़ो कावड़िया नर्मदापुरम के सेठानी घाट से मां नर्मदा का जल भरकर जटाशंकर महादेव जी का जल अभिषेक करने के लिए नर्मदापुरम से 22जुलाई को पचमढ़ी के लिए प्रस्थान करेंगे। 24जुलाई को कांवड़ यात्रा सोहागपुर से 29 जुलाई को पचमढ़ी जटाशंकर कांवड़िया जलाभिषेक करेंगे।

महाविद्यालय के अध्यक्ष बने कन्नूलाल अग्रवाल : समाजसेवी कन्नूलाल अग्रवाल को जवाहरलाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

इस संबंध में महाविद्यालय की शासी समिति के अध्यक्ष कैलाश पालीवाल ,सचिव हमीरसिंह चंदेल, वरिष्ठ समाजसेवी लक्ष्मी नारायण सोनी, विख्यात बुन्देली कवि पंडित राजेंद्र सहरिया ,अभिषेक जैन ,विजय अग्रवाल, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष अभिलाषसिंह चंदेल नेता वकील गोपाल माहेश्वरी , वकील महेश पचौरी आदि उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि पूर्व जवाहरलाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय के अध्यक्ष प्रदेश के विख्यात गृहस्थ संत पंडित मनमोहन मुदगल के परलोकगमन के कारण अध्यक्ष पद रिक्त हो गया था।राज्य शिक्षक संघ करेगा सांसद दर्शनसिंह का सम्मान

राज्य शिक्षक संघ नर्मदापुरम संघ के संरक्षक एवं नव निर्वाचित सांसद दर्शन सिंह चौधरी का भव्य स्वागत समारोह आयोजित करके सम्मान करेगा। इस सम्मान समारोह में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा।

उक्त आश्य की जानकारी इस प्रतिनिधि को उमेश ठाकुर ने दी।

मोहर्रम पर्व को शांति सद्भाव से मनाने की अपील, शांति समिति की बैठक सम्पन्न

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. के निर्देशन में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष छतरपुर में मोहर्रम पर्व के मद्देनजर शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में एडीएम मिलिन्द नगदेवे, एएसपी विक्रम सिंह सहित संबंधित अधिकारी और समिति के सदस्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बैठक में बताया गया कि मोहर्रम पर छतरपुर शहर में पिछली साल की तरह इस साल भी बड़ी तकिया के ताजिया 16 एवं 17 जुलाई 2024 को निकाले जाएंगे। 16 जुलाई को मुकाम स्थान बड़ी तकिया से ताजिया रात्रि 9:30 बजे उठेंगे और सबनीगर मुहल्ला होते हुए गांधी चौक बाजार रात्रि 12 बजे पहुंचेंगे और इसके बाद महल चौक रात्रि 3 बजे पहुंचेंगे। फिर महल चौक से अपने मुकाम पर वापिस सुबह 4 बजे पहुंचेंगे। 17 जुलाई को ताजिया बड़ी तकिया से शाम 4 बजे उठकर गांधी चौक बाजार होते हुए महल चौक पर रात्रि 9 बजे पहुंचेंगे। इसके बाद महल चौक से कर्बला रवाना रात्रि 12 बजे होंगे। कर्बला से रात्रि 1 बजे तक अपने-अपने मुकाम पर पहुंचेंगे। एडीएम ने नगरपलिका को निर्देशित किया कि मोहर्रम के दौरान साफ-सफाई की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दें। साथ ही लाइटिंग की व्यवस्था दुरुस्थ रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा एमपीईबी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी बिजली तार खुले ना रहे एवं सुरक्षा के दायरे में रहे। उन्होंने होमगार्ड की रेस्क्यू टीम को विसर्जन स्थल पर जिला एवं ब्लॉक स्तर पर तैनात रहने के निर्देश दिए। ताजिये में लगाए जाने वाले वॉलेंटियर्स को आई कार्ड पहनना अनिवार्य रहेगा।

भड़काऊ संदेश एवं फोटो वीडियो का आदान-प्रदान न करें, ना ही पोस्ट करें। सोशल मीडिया पर साइबर सेल की नजर रहेगी। सभी लोग शांति सद्भाव बनाए रखें। उन्होंने कहा किसी भी प्रकार की परेशानी एवं समस्या होने पर तत्काल पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों को सूचित करें। पुलिस को सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त बनाऐ रखने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में सभी निर्णय सदस्यों की सर्वसम्मति से लिए गए साथ ही सभी के सुझाव आमंत्रित किए गए। जिला प्रशासन द्वारा मोहर्रम पर्व को शांति सद्भाव से मनाने की जिलेवासियों की अपील कि गई है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद शहडोल, जिला शहडोल (म. प्र.)

क्रमांक / न.पा.श. / 2024 / 3106 शहडोल, दिनांक 15/7/2024

निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा केन्द्रीय पंजीयन पद्धति से पंजीकृत ठेकेदारों से नीचे दिये गये विवरण अनुसार ऑनलाईन पद्धति से प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है।

एन. आई. टी. नम्बर	ई-टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम व विवरण	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र की कीमत	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य की समयसीमा	पोर्टल पर निविदा देखने एवं सबमिटे करने का दिनांक
3035	2024_UAD_3547459_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD WARD NO 20 NEAR HOUSE OF PANDEYJI SHAHDOL AS PER NIT AND ESTIMATE	5.41	5500	2000	Registered Contractors and firms AS PER NIT	30 days	13.07.2024 से 29.07.2024 समय 5.30 PM तक
3036	2024_UAD_357 460_1	PROVIDING AND FIXING OF PAVERBLOCKS WARD NO 35 FROM PRAKASH ELECTRIC TO AJAY SOUND SHAHDOL AS PER NIT AND ESTIMATE	4.65	4700	2000	Registered Contractors and firms AS PER NIT	30 days	13.07.2024 से 29.07.2024 समय 5.30 PM तक

1. इच्छुक ठेकेदार ऑनलाईन निविदा https:/mptenders.gov.in/ एवं https:/gem.gov.in/ पर देखी जा सकती है।
2. किसी भी प्रकार का एन.आई.टी. से संबंधित शुद्धीपत्र केवल वेबसाईट में प्रसारित किया जावेगा समाचार पत्रों में नहीं किया जावेगा। बाकी निविदा संबंधी समस्त विवरण एवं शर्तें ऑनलाईन देखी जा सकती हैं।

(अक्षत बुन्देला)
मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगरपालिका परिषद शहडोल म.प्र.

सोशल मीडिया से

Dance at midnight (a short clip)

Viewing these dancing trees in cool breeze at midnight is a spiritual joy for me.

This joy permeates into my soul. I am reminded of the insightful poet, Wordsworth carrying the beauty of nature in his inward eye :-

For oft, when on my couch I lie
In vacant or in pensive mood,
They flash upon that inward eye
Which is the bliss of solitude;
And then my heart with pleasure fills,
And dances with the daffodils.

मुकेश अम्बानी के बेटे की शादी में सपरिवार पहुंचे लालू यादव और अखिलेश यादव ...।

इराया लाइफस्पेसेज लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही के लिए शानदार आय की घोषणा की

नईदिल्ली, एजेंसी। इराया लाइफस्पेसेज लिमिटेड (बीएसईः 531035) ने 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपनी आय की सूचना दी है। कंपनी ने अपना रेवेन्यू 19.98 मिलियन रुपये रिपोर्ट किया। पीबीटी 12.76 मिलियन रुपये पर रिपोर्ट किया गया था, वहीं शुद्ध लाभ 9.54 मिलियन रुपये पर आने के साथ, ईपीएस 0.63, रुपये बढ़ते हुए सालाना आधार पर 0.03 (फाइनेंशियल ईयर 24 की पहली तिमाही) रुपये से बढ़ रहा है। इससे पहले, कंपनी ने घोषणा की थी कि एराया/इराया के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम द्वारा प्रस्तुत एबिक्स इंक की 100 प्रतिशत इक्विटी के अधिग्रहण के लिए बोली (बिड) को मंजूरी दे दी गई है और अमेरिकी बैंगक्रप्सी कोर्ट की देख-रेख में नीलामी प्रक्रिया के बाद विजेता के रूप में इसे एबिक्स के लिए उच्चतम और सर्वोत्तम बोली के रूप में स्वीकार करके घोषित किया गया है। एबिक्स ने लगभग 361 मिलियन डॉलर की एंटरप्राइज वैल्यू पर बोली लगाई है (भारतीय रुपये में 3,009 करोड़ लगभग)। अधिग्रहण को इसके चैप्टर 11 की कार्यवाही में प्रस्तावित एबिक्स की रीऑर्गनिज़ेशन प्लान के द्वारा प्रभावित किया जाएगा, जो कंसोर्टियम, एबिक्स और एबिक्स के लेनदारों और अन्य हितधारकों के बीच चल रही बातचीत के अधीन है।

बीएलएस इंटरनेशनल होल्डिंग एनोनिम सिरकेटी (तुर्की) ने 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण सफलतापूर्वक पूरा किया

नईदिल्ली, एजेंसी। बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज लिमिटेड (बीएसईः 540073; एनएसई), गवर्नमेंट्स और सिटीज़न के लिए एक लीडिंग ग्लोबल टेक-इनेबल्ड सर्विस पार्टनर ने आईडीएटीए दानिशमानलिक वी हिज़मेट डिस टिकरेट एनोनिम सिरकेती में इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियां, बीएलएस इंटरनेशनल एफजेडई और बीएलएस इंटरनेशनल होल्डिंग एनोनिम सिरकेटी के माध्यम से 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के सफल समापन की घोषणा की है। आईडीएटीए एक प्रमुख तुर्की-बेस्ड कंपनी है जो 15 से अधिक देशों में अपने 37 से ज़्यादा वीज़ा एप्लीकेशन सेंटर के माध्यम से जर्मनी, इटली और चेक गणराज्य के राजनयिक मिशनों की सेवा करते हुए विभिन्न सरकारों को व्यापक वीज़ा प्रोसेसिंग और कांसुलर सर्विसेज देती है बीएलएस ने 720 करोड़ रुपये के कुल मूल्य पर आईडीएटीए में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा कर लिया, साथ ही आंतरिक स्त्रोतों और ऋण के द्वारा वित्त पोषित आईडीएटीए ने 246 करोड़ रुपये का राजस्व और इसके ऑडिटेड कंसोलिडेटेड वित्तीय के अनुसार, सीवाय2023 में 144 करोड़ रुपये एबिटा प्राप्त किया। यह अधिग्रहण वीज़ा और कांसुलर सर्विसेज में लीडिंग इंटरनेशनल खिलाड़ियों में से एक के रूप में बीएलएस की समग्र स्थिति को और मज़बूत करेगा। आईडीएटीए के मौजूदा समझौतों और कार्यालयों को दुनिया भर के 66 देशों में बीएलएस के नेटवर्क में जोड़ा जाएगा।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन के कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से 3.25 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया

मुंबई, एजेंसी। विश्व युवा कौशल दिवस पर, एचडीएफसी बैंक परिवर्तन को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मनाने पर गर्व है, जिसने अपने विभिन्न कौशल कार्यक्रमों के माध्यम से पूरे भारत में 325,000 से अधिक युवाओं को जोड़ा है। कौशल विकास और आजीविका संवर्धन बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का एक प्रमुख फोकस क्षेत्र है, जो सभी सीएसआर पहलों के लिए इसका अम्ब्रेला ब्रांड है। बैंक वर्तमान में विभिन्न राज्यों में कौशल विकास के क्षेत्र में 100 से अधिक परियोजनाओं पर काम कर रहा है, जिसमें आईटी/आईटीईएस, खुदरा, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण और कृषि सहित कई क्षेत्र शामिल हैं।संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 15 जुलाई 2014 में स्थापित, विश्व युवा कौशल दिवस युवाओं को रोजगार, सभ्य कार्य और उद्यमिता के लिए कौशल से लैस करने के साथ-साथ वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और सतत विकास को आगे बढ़ाने के रणनीतिक महत्व का जश्न मनाता है। कौशल विकास एक वैश्विक मांग है, और कौशल विकास में निवेश करना महत्वपूर्ण बना हुआ है क्योंकि संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 15-24 वर्ष की आयु के युवाओं की संख्या 1.2 बिलियन है। यह जनसांख्यिकी 2030 तक 1.3 बिलियन तक बढ़ने का अनुमान है, जो दुनिया की आबादी का 16 प्रतिशत है। भारत एक अद्वितीय स्थान रखता है, जहाँ कुल आबादी का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा 25 वर्ष से कम आयु का है।

रियलमी 13 प्रो सीरीज़ 5जी में एआई के साथ अल्ट्रा क्लियर कैमरा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय युवाओं का सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी 30 जुलाई, 2024 को भारत में रियलमी 13 प्रो सीरीज़ 5जी लॉन्च कर रहा है इस स्मार्टफोन में मोनेट से प्रेरित सुंदर डिज़ाईन है और यह रियलमी की ओर से पहला एआई प्रोफेशनल कैमरा फोन होगा। बहुप्रतीक्षित रियलमी 13 प्रो सीरीज़ 5जी के डिज़ाईन के लिए रियलमी ने म्यूज़ियम ऑफ फाईन आर्ट्स, बोस्टन के साथ गठबंधन किया है। इस सीरीज़ में रियलमी 13 प्रो 5जी और रियलमी 13 प्रो.5जी शामिल हैं। यह मोनेट से प्रेरित अद्वितीय सुंदरता का प्रदर्शन करती है। यह मोनेट गोल्ड, मोनेट पर्पल, और एमराल्ड ग्रीन कलर विकल्पों में उपलब्ध है। इस गठबंधन द्वारा कला व टेक्नोलॉजी का बेहतरीन फ्यूज़न किया गया है। रियलमी ने मोनेट की उत्कृष्ट कृतियों - ''हे-स्टैक्स'' और ''वाटर लिलीज़'' से प्रेरणा ली है। मिराकल शाईनिंग ग्लास के साथ ये डिवाईस मोनेट की कृतियों के लाईट एवं शैडो इफेक्ट को प्रदर्शित करती हैं, इसलिए बिल्कुल पोर्टेबल कलाकृतियों की तरह दिखाई देती हैं। भारत में रियलमी 13 प्रो सीरीज़ 5जी का लॉन्च स्मार्टफोन उद्योग में एक नई लहर लेकर आएगा। सोनी के साथ गठबंधन में 2024 का यह दूसरा नंबर सीरीज़ लॉन्च रियलमी की ओर से डीएसएलआर कैमरे जैसी क्षमताओं वाला पहला एआई प्रोफेशनल कैमरा फोन पेश करेगा।

सोनाटा ने ज़िलेनियल्स को ध्यान में रखते हुए लॉन्च की अपनी नई पहचान और प्रोडक्ट रेंज

मुंबई , एजेंसी। टाइटन कंपनी लिमिटेड की ओर से भारत में सबसे ज़्यादा बिकने वाली घड़ियों का ब्राण्ड सोनाटा अपनी नई पहचान और नई प्रोडक्ट रेंज के साथ बाज़ार में बड़ा बदलाव लाने के लिए तैयार है। खासतौर पर शहरी एवं उपशहरी क्षेत्रों में अपने करियर की शुरूआत करने वाले युवा पेशेवरों की बदलती ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए, डिज़ाइनों पर नया दृष्टिकोण पेश करना इस नई पहचान का मुख्य उद्देश्य है। स्लीक और आधुनिक नए लुक के साथ सोनाटा ब्राण्ड के आकर्षण और उत्साह को बढ़ाने जा रहा है, और अपनी नई पहचान के साथ आज के दौर के युवाओं को लुभाने के लिए तैयार है।

उद्योग जगत के अनुमानों पर ध्यान दें तो भारत में 260 मिलियन ज़िलेनियल उपभोक्ता रु 3-4 लाख सालाना कमाते हैं। ज़िलेनियल युवा मिलेनियल्स और जनरेशन ज़ी को जोड़ने वाली कड़ी हैं, जो अपनी महत्वाकांक्षाओं एवं मूल्यों के साथ आर्थिक विकास को गति प्रदान करने में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह पीढ़ी पारम्परिक नियमों को चुनौती देकर भविष्य को नया आयाम देती है, अपनी सफलता की कहानी खुद लिखना चाहती है तथा ब्राण्ड के प्रयोजन एवं दृष्टिकोण को समझती हैं। इन्हीं रूझानों को ध्यान में रखते हुए सोनाटा इस उभरते समूह की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए नया लुक और नई पहचान लेकर आया है।

ब्राण्ड की नई यात्रा पर बात करते हुए श्री प्रतीक गुप्ता, हैड ऑफ ब्राण्ड, सोनाटा ने कहा, ''सोनाटा की नई पहचान को पेश करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है जो आज के सपने देखने वाले युवाओं के दृष्टिकोण के अनुरूप है। हमारा उद्देश्य इन युवाओं को ऐसी घड़ियां उपलब्ध कराना है, जो न सिर्फ उनके व्यक्तिगत स्टाइल को आकर्षक बनाएं बल्कि उनकी यात्रा और उपलब्धियों का प्रतीक भी बन जाएं। हम समझते हैं कि यह पीढ़ी गुणवत्ता और स्टाइल को बहुत ज़्यादा महत्व देती है और हमारे नए डिज़ाइन कुछ ऐसा ही संयोजन लेकर आते हैं। ये सुलभता के साथ समझौता किए बिना शानदार स्टाइल पेश करते हैं। इस गतिशील पीढ़ी की महत्वाकांक्षाओं और जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए सोनाटा उनकी प्रगति में साझेदार की भूमिका निभा रहा है और उनकी यात्रा की हर उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए तत्पर है।'सोनाटा के नए डिज़ाइनों की बात करें तो इसमें 42 स्टाइल्स का कलेक्शन है, जो रु 1725 की शुरूआती कीमत पर उपलब्ध है। कलेक्शन का हर पीस वाइब्रेन्ट रंगों के साथ आधुनिक डिज़ाइन का संयोजन पेश करता है। इसके रिफाइन्ड डीटेल्स और आकर्षक डायल हर मौके पर युवाओं के स्टाइल के साथ खूब जंचते हैं, फिर चाहे वे बोर्डरूम में हैं या सप्ताहान्त पर रोमांचक गतिविधियों में व्यस्त हैं।

एक्सएटी ने अकादमिक वर्ष 2025 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू किए-टॉप मैनेजमेन्ट संस्थानों के लिए गेटवे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे प्रख्यात राष्ट्रीय स्तर की एमबीए प्रवेश परीक्षाओं में से एक ज़ेवियर एप्टीट्यूट टेस्ट ने एक्सएटी 2025 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू करने की घोषणा की है। 15 जुलाई 2024 से छात्र इस महत्वपूर्ण परीक्षा के लिए रजिस्टर कर सकते हैं और बिज़नेस की डायनामिक दुनिया में उत्कृष्टता की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। वे उम्मीदवार जो इस परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करना चाहते हैं या अधिक जानकारी पाना चाहते हैं, वे एक्सएटी की आधिकारिक वेबसाईट पर विज़िट करें।

ज़ेवियर एप्टीट्यूट टेस्ट 2024 संस्करण के लिए रजिस्ट्रेशन करने वाले छात्रों की संख्या अप्रत्याशित रूप से बढ़ी थी। 2024 में 135000 छात्रों ने इस परीक्षा के आवेदन किया, जो पिछले वर्षों की तुलना में काफी अधिक था। ये आंकड़े प्रमुख एमबीए प्रवेश परीक्षा के रूप में एक्सएटी की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाते हैं। इसके ज़रिए छात्र टॉप बिज़नेस स्कूलों में प्रवेश का अवसर पा सकते हैं।

इसके अलावा एक्सएटी की व्यापक पहुंच, 100 से अधिक टेस्ट सेंटर सुनिश्चित करते हैं कि यह देश भर के छात्रों के लिए सुलभ हो। यही कारण है कि यह परीक्षा छात्रों एवं संस्थानों के लिए महत्वपूर्ण विकल्प बन गई है।

डॉ राहुल शुक्ला, कन्वेनर एडमिशन्स, एक्सएटी ने कहा, ''हम उम्मीदवारों को मैनेजमेन्ट में करियर बनाने के लिए ज़रूरी कौशल एवं ज्ञान प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना चाहते हैं। 250 से अधिक कॉलेज एक्सएएमआइ और एक्सएटी से जुड़े हैं और एक्सएटी का स्कोर स्वीकार करते हैं, ऐसे में यह परीक्षा छात्रों को मैनेजमेन्ट शिक्षा के लिए ढेरों अवसर प्रदान करती है।'एक्सएटी छात्रों को एप्टीट्यूट, लॉजिकल रीज़निंग, लैंगवेज दक्षता एवं निर्णय निर्धारण क्षमता के प्रदर्शन का मौका देती है। यह छात्रों के कौशल का मूल्यांकन कर मैनेजमेन्ट शिक्षा की संभावनाओं के लिए उनकी पहचान करती है। 75 सालों से एक्सएलआरआई अखिल भारतीय परीक्षा के माध्यम से मैनेजमेन्ट शिक्षा के लिए योग्य उम्मीदवारों की पहचान में अग्रणी रहा है। कारोबार जगत की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए एक्सएटी परीक्षा में लगातार आधुनिक बदलाव लाए जाते रहे हैं। परीक्षा का बहु-आयामी ढांचा छात्रों के एप्टीट्यूड का व्यापक मूल्यांकर कर सुनिश्चित करता है कि वे कारोबार के प्रतिस्पर्धी माहौल के बीच भविष्य में सफलता हासिल कर सकें।

एक्सएटी 2025 का आयोजन देश के कई शहरों में किया जाएगा। इसके 100 से अधिक टेस्ट सेंटर मुंबई, बैंगलुरू, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, अहमदाबाद, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, थिरूवनंतपुरम आदि में हैं। परीक्षा की व्यापक पहुंच देश भर में मैनेजमेन्ट के महत्वाकांक्षी उम्मीदवारों को एक समान अवसर उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

वीटी मार्केट्स ने दक्षिण एशिया में पहला विज्ञापन जारी किया

मुंबई। पुरस्कार विजेता ब्रोकरेज कंपनी वीटी मार्केट्स ने दक्षिण एशिया में अपना पहला वीडियो विज्ञापन शुरू करने की घोषणा की। ट्रेडिंग आसान हो सकती हैष् शीर्षक वाला यह विज्ञापन परिचित स्थानीय दृश्यों के विपरीत सिडनी स्थित ब्रोकर के कई अलग.अलग लाभों को पेश करता है और यह फेसबुकए इंस्टाग्राम और हॉटस्टार सहित सभी ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर उपलब्ध होगा। यह लॉन्च ब्रोकर द्वारा इस वर्ष तेजी से बढ़ते दक्षिण एशियाई वित्तीय बाजार में प्रवेश करने का पहला प्रयास है। मल्टी.एसेट ब्रोकरेज इस पहल के हिस्से के रूप में दक्षिण एशियाई बाजार के लिए स्थानीयकरण में वृद्धि भी देखेगीए जिसमें स्थानीय भाषाओं के लिए अधिक समर्थन भी शामिल है। हमारी वैश्विक उपस्थिति के बावजूदए एएसआइसी, एफएससी और एफएससीए। द्वारा हमारे विनियमन ने हमें ग्राहकों की सुरक्षा और विश्वसनीयता को बढ़ावा देने के अर्थ की अच्छी समझ प्रदान की है वीटी मार्केट्स डम्छा के बिजनेस डेवलपमेंटए कुसाई ज़ेओड ने कहाए ष्हम मानते हैं दक्षिण एशियाई बाजार इस समय मौजूदा वित्तीय प्लेटफार्मों से वंचित हैंए जिनमें अपने ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए नियमों की कठोरता की कमी है। भारत के विभिन्न हिस्सों में फिल्माया गयाए टेलीविजन विज्ञापन वीटी मार्केट्स के साथ व्यापार की आसानी को दर्शाता हैए जिसमें पात्रों को दिन के दौरान व्यापार करते हुए दिखाया गया है जैसे चाय का ऑर्डर देनाए बाल कटवानाए यहां तक कि बाजार में मोलभाव करते समय भी। चुटीले हास्य के माध्यम सेए विज्ञापन यह बताता है कि यदि व्यापार को सरल बना दिया जाए तो यह रोजमर्रा की जिंदगी पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। अभियान के हिस्से के रूप मेंए इस प्रचार अवधि के दौरान शामिल होने वाले ग्राहक अपनी प्रारंभिक जमा राशि पर 10000 यूएसडी् तक प्राप्त कर सकेंगे।

पीटीसी इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड बोर्ड ने क्वालीफाईड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट के द्वारा 700 करोड़ रुपये के फंड बढ़ाने को मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिटिकल एप्लिकेशन्स के लिए सटीक मेटल कंपोनेंट्स के लीडिंग इंडियन मैन्युफैक्चरर, पीटीसी इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड (बीएसई-539006, एनएसई) ने घोषणा की है कि उसके बोर्ड ने योग्य संस्थान प्लेसमेंट के माध्यम से कंपनी के सदस्यों के अनुमोदन और आवश्यकतानुसार अन्य रेगुलेटरी/स्टेट्यूटरी अप्रूवल सहित आवश्यक अनुमोदन के अधीन 700 करोड़ रुपये तक की धनराशि जुटाने को मंजूरी दे दी है। हाल ही में, एयरोस्पेस में विभिन्न क्रिटिकल और सुपर-क्रिटिकल एप्लिकेशन्स के लिए स्ट्रेटिजिक और महत्वपूर्ण सामग्रियों और हाई इंटीग्रिटी मेटल कंपोनेंट्स के निर्माता, एरोलॉय टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (पीटीसी इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड 6एटीएल8 की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी) ने घोषणा की कि एयरो-इंजन और इंडस्ट्रीयल गैस टरबाइन एप्लिकेशन्स के लिए सिंगल क्रिस्टल और डायरेक्शनली सॉलिडिफाइड ब्लेड और वेन के निर्माण के लिए सबसे उन्नत कास्टिंग टेक्नोलॉजी को हम सफलतापूर्वक डेवलप कर चुके हैं। कंपनी ने इस मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को अपनी लखनऊ फैसिलिटी में स्थापित किया है। यह तकनीकी जानकारी पीटीसी को भारत में और दुनिया में बहुत कम कंपनियों के बीच ऐसी क्षमता रखने वाली एकमात्र कंपनी बनाती है। अब तक इस टेक्नोलॉजी को बहुत ही बारीकी से संरक्षित रखा गया है और विकासशील दुनिया के किसी भी देश के लिए इस तकनीक तक पहुंच प्रतिबंधित रही है। कंपनी द्वारा इस स्वदेशी क्षमता का निर्माण कंपनी के लिए अपने व्यापक उद्देश्य (धर्म) - समता प्राप्त करने की दिशा में एक प्रमुख माइलस्टोन है।

यह क्षमता और इससे संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी को सिंगल क्रिस्टल या डायरेक्शनली सॉलिडिफाइड जैसे अत्यधिक विशिष्ट माइक्रोस्ट्रक्चर के साथ कॉम्प्लेक्स इन्टर्नल हॉलो (खोखला) कूलिंग पैसेज के साथ एयरफॉइल (ब्लेड और वेन) का उत्पादन करने में सक्षम करेगा।

यह मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी बेहद विशिष्ट है और पारंपरिक रूप से दुनिया-भर के 3-4 देशों में उद्योग जगत के नेताओं द्वारा इसकी बारीकी से निगरानी की जाती है। इस स्ट्रेटिजिक एडवांस्मेंट के साथ, कंपनी अब दुनिया की बहुत कम कंपनियों में से एक है जिसके पास इन सबसे एडवांस्ड मेटलर्जिकल कंपोनेंट्स के निर्माण और वितरण की तकनीक और क्षमता है।

एफिशिएंसी के हाइअर लेवल को प्राप्त करने के लिए एयरो-इंजन और इंडस्ट्रीयल गैस टर्बाइनों को दहन और निकास (हॉट सेक्शन) भागों में, 2500 डिग्री सेल्सियस से अधिक, बहुत तेज़ तापमान पर संचालित करने की आवश्यकता होती है। इस हॉट सेक्शन में उपयोग किए जाने वाले एयरफ़ोइल (ब्लेड और वेन) को इन एक्सट्रिमली हाई ऑपरेटिंग टेंपरेचर (जिस पर कोई भी मिश्र धातु पिघल जाएगी) और साथ ही इंटेंसली हाई रोटेशनल फोर्सेज का सामना करने की आवश्यकता होती है। सिंगल क्रिस्टल और डायरेक्शनली सॉलिडिफाइड कास्टिंग एडवांस्ड कास्टिंग तकनीकें हैं जिनका उपयोग असाधारण ताकत और बहुत हाई टेंपरेचर के रेजिस्टेंस के साथ मेटल कंपोनेंट्स के निर्माण के लिए किया जाता है। इन टेक्नोलॉजीज़ का उपयोग करके कास्टिंग का उत्पादन बिना किसी ग्रेन्स बाउंड्री (सिंगल क्रिस्टल) या एलाइनमेंट ग्रेन्स (डायरेक्शनली सॉलिडिफाइड) के साथ एक सूक्ष्म संरचना के द्वारा किया जा सकता है।

पुस्तक चर्चा : अच्छी सोहबतों की सोहबतें

संजय परसाई सरल

वरिष्ठ रचनाकार आशीष दशोत्तर का सद्य-प्रकाशित ग़ज़ल संग्रह %सोहबतें% पाठकों के हाथों में है। जैसा कि पुस्तक के शीर्षक %सोहबतें% से ही ज्ञात होता है कि यह रचनाएं सोहबतों का ही असर है। सोहबतों में रहकर ही इन रचनाओं ने जन्म लिया है।

सोहबत या संगति व्यक्ति के व्यक्तित्व और विकास का एक पायदान होती है। अच्छी सोहबत अच्छे और बुरी सोहबतें बुरे रास्ते पर ले जाती हैं लेकिन हमें खुशी है कि आशीष की सोहबत अच्छे और श्रेष्ठ लोगों से रही और उसी का परिणाम है की अच्छी सोहबतों की %सोहबतें% हमारे हाथों में है।

आशीष की यह ग़ज़लें हर एक पायदान पर निखरती चली जाती हैं क्योंकि जैसे-जैसे अच्छे लोग मिलते गए अच्छी और उम्दा रचनाएं जन्म लेती गईं।

मुश्किलों को देखकर हम भी अगर मुँह मोड़ते,
जिंदगी तुझको यहां किसके भरोसे छोड़ते?

वहीं एक अन्य ग़ज़ल में वे अंधेरों को शिकस्त देने की बात कहते हुए कहते हैं-

हमें आ गया है चरागों सा जलना
पड़ेगा अंधेरों तुम्हें हाथ मलना

व्यवस्थाओं पर रोष जताते हुए वे कह उठते हैं-

हमें दिन के उजालों में भी अपना हक नहीं मिलता,
तेरी खातिर तो रातों में अदालत जाग उठती है।

मिट गए घर के घर आपने क्या किया,
हम हुए दरबदर आपने क्या किया।
आखिरी वक्त में कुछ न हासिल हुआ,
सोचिए, उम्र भर आपने क्या किया।

कहते हैं कि जो काम दवा नहीं कर पाती वह काम दुआएं कर जाती है। यही कारण है की बात-बात पर दुआओं में याद रखने की मिसाल दी जाती है।

दुआ किसकी न जाने जिंदगी को मोड़ क्या दे दे,
अगर बस में है तेरे तो सभी का तू भला कर दे।

वहीं 'भरोसा' शब्द पर शंका जाहिर करते हुए वह कहते हैं-

भरोसा क्या करें %आशीष% अपने पे या गैरों पे,
यकीं जिस पर किया है क्या पता वही दगा कर दे।

जरूरतमंदों तक योजनाओं का लाभ न मिल पाने और लचर व्यवस्थाओं की पोल खोलते हुए वह कहते हैं-

भरे गोदाम हैं %आशीष% राशन मुफ्त बांटा पर,
अभी भी खा रहे हैं रोटियां कुछ लोग बासी।

वहीं आदमी की फितरत पर तंज कसते हुए वह कहते हैं-

साया है, धूप, फूल है, कांटा है आदमी,
समझा नहीं है कोई भी क्या-क्या है आदमी।
चंद लम्हों में वो हर, नक्श मिटा देते हैं
काम निकला तो यहां लोग भुला देते हैं।

अतः कहा जा सकता है सोहबतों में रहकर आशीष ने बहुत सी अच्छी-बुरी बातों को गहराई से सीखने और समझने का प्रयास किया है। यही कारण है कि उनकी रचनाओं में प्रेम, प्यार, जज्बात हैं तो खीझ, चोट, रुसवाई भी है। वे अच्छी सोहबतों का साथ चाहते हैं और कहते हैं-

तू हो सफर में साथ तो बेहतर लगे मुझे
तेरे बिना उदास यह मंजर लगे मुझे
यह मस्तियां, उधम ये शरारत ये शोरगुल

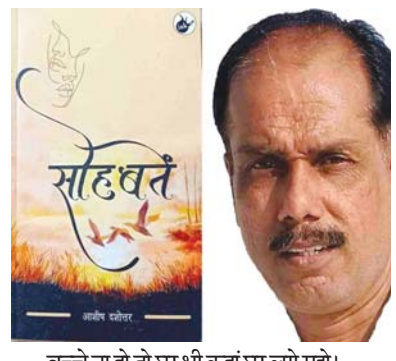

बच्चे ना हो तो घर भी कहां घर लगे मुझे।

अतः कहा जा सकता है कि सोहबतों ने आशीष की कलम को एक नई राह और रोशनी दिखाई है और इस रोशनी के पथ पर निर्भीक, निडर हो अपनी कलम को तेज करते हुए अंधेरे के पंखों को काटते हुए ऊंची उड़ान को अग्रसर हैं। वे सकारात्मक सोचते हैं और अन्य को भी सकारात्मक सोच की प्रेरणा देते हैं।

भूखे लोगों को रोटी मिली जब कभी,
मेरी बस्ती पे उस दिन शबाब आएगा।
वबा, तूफान, दहशत, भूख, आँसू और बेगारी
हजारों गम हैं फिर भी देखना हम मुस्कुराएंगे।

आशीष की रचनाएं सकारात्मक संदेश देती प्रतीत होती है। यह संदेश सकारात्मक सोच और अच्छी सोहबतों का ही तो नतीजा है। यदि पाठक भी चाहते हैं कि अच्छी सोहबत उन्हें भी मिले तो उन्हें इंक पब्लिकेशन की यह %सोहबतें% अवश्य पढ़नी चाहिए।

श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड ने नवीकरणीय ऊर्जा को आगे बढ़ाने के लिए फेलिक्स इंडस्ट्रीज के साथ नए समझौते पर हस्ताक्षर किए

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्तीय समाधानों में अग्रणी श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड ने घोषणा की है कि श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड (श्रेष्ठ) और फेलिक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (फेलिक्स) के बीच मौजूदा व्यापार व्यवस्था को जारी रखते हुए एक सुविधा समझौते पर हस्ताक्षर करके एक बार फिर हाथ मिलाया है। नवीकरणीय ऊर्जा और स्थिरता पहलों को आगे बढ़ाते हुए, जहां श्रेष्ठ सतत विकास के उद्देश्य से नवीकरणीय ऊर्जा और स्वच्छ जल से संबंधित परियोजनाओं में ऋण देने की दिशा में आगे बढ़ेगा। इस नए समझौते के माध्यम से, फेलिक्स नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ पानी और जल रीसाइक्लिंग से संबंधित परियोजना के लिए फेलिक्स द्वारा आरती इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ खरीदे गए ऑर्डर के लिए संयंत्र स्थापना के पूंजीगत कार्य के लिए लगभग रु. दो चरणों में कुल मिलाकर 50 मिलियन का वित्तपोषण किया जाएगा। नवीकरणीय ऊर्जा और जल क्षेत्र में विविध क्षेत्रों को मजबूत वित्तीय सहायता प्रदान करने, स्थिरता को बढ़ावा देने और हरित पर्यावरण और टिकाऊ परियोजनाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने के उद्देश्य से यह व्यवस्था फेलिक्स को वित्तीय सहायता को मजबूत करेगी। इससे पहले, कंपनी ने घोषणा की थी कि उसने नवीकरणीय ऊर्जा और स्थिरता पहल को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एक सुविधा समझौते पर हस्ताक्षर के माध्यम से फेलिक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (फेलिक्स) के साथ हाथ मिलाया है। उक्त समझौते पर हस्ताक्षर करने से श्रेष्ठा के लिए सतत विकास के उद्देश्य से नवीकरणीय ऊर्जा और स्वच्छ जल से संबंधित परियोजनाओं में ऋण देने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस समझौते के माध्यम से, फेलिक्स अपनी नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ जल और जल पुनर्चक्रण संबंधी परियोजनाओं के लिए धन सुरक्षित करने की अच्छी स्थिति में है। सुविधा समझौते में नवीकरणीय ऊर्जा और स्थिरता संबंधी परियोजनाओं के लिए समर्थन बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रावधान शामिल हैं। श्रेष्ठा रुपये का वित्तपोषण करेगी। अगले 1-2 वर्षों में उपरोक्त मिशन को लक्षित करने के लिए 250 मिलियन और नई प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अपने पदचिह्न का विस्तार भी करेगा।

जमुनिया नर्सरी में मां के नाम पौधारोपण किया

छिंदवाड़ा। जिले के उद्यान विभाग की जमुनिया नर्सरी में मुख्य अतिथि कलेक्टर शीलेंद्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के मार्ग दर्शन में 100 आम एवं 100 काजू के पौधे का रोपण किया गया इसके तत्पश्चात शासकीय उद्यान रोपणी सहायक संचालक एम एल ऊईके, कृषि विभाग संचालक जितेंद्र सिंह एवं पशुपालन उपसंचालक डां पक्षवार, आर एस शर्मा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व छिंदवाड़ा श्री सुधीर जैन तहसीलदार त्रिपाठी उद्यान अधीक्षक सालकराम चौकसे ने स्वागत किया एक पेड़ मां के नाम रोपण कर कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने उपस्थित लोगों को इस अभियान के तहत पौधारोपण कर सभी को बधाई शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाएं सबकी भागीदारी से इस पुनीत कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें जिससे आने वाली पीढ़ी को इसका लाभ मिल सके तथा हम स्वच्छ वातावरण रह सके जिले के प्रत्येक नागरिक को एक फलदार, छायादार पौधों का अधिक से अधिक रोपण करें नर्सरी के उद्यान अधीक्षक सालकराम चौकसे ने बताया कि विभाग के द्वारा पूरे जिले में लगभग 10 हजार पौधे उद्यान विभाग के द्वारा रोपित कराये जा रहा है रोपण के दौरान छायाचित्र वायुदूत एप अंकुर में अपलोड किया गया मध्य प्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड के मास्टर ट्रेनर एवं जैव विविधता दूत मोहन साहू ने माननीय पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री एवं कलेक्टर शीलेंद्र सिंह को एक फलदार पौधा भेंट कर सभी लोगों का इस पौधारोपण पर आभार व्यक्त किया।

17 को दिंडी यात्रा मे सम्मलित होगा महाराष्ट्रीयन स्वर्णकार समाज

छिंदवाड़ा। परंपरा अनुसार विट्ठल रुक्मणी के चरणों मे अर्पित की जाने वाली दिंडी यात्रा प्रतिवर्ष अषाढ एकादशी को गजानन गुणगान मण्डल द्वारा आयोजित की जाती है जिलाध्यक्ष रामकुमार सोनी निनावे ने बताया कि इस भव्य दिंडी यात्रा मे महाराष्ट्रीयन स्वर्णकार समाज भी अपनी दिंडी सहित सम्मलित होता है, इस वर्ष भी दिनांक 17 जुलाई को आयोजित होने वाली यात्रा मे समाज की दिंडी सहित सम्मलित होगा, यात्रा ई एल सी चौक से 10.30 बजे प्रारम्भ होकर साईं मंदिर पहुंचेगी, साईं मंदिर में आरती उपरांत अन्य दिंडीओ के साथ विट्ठल रुक्मणि का गुणगान करते नाचते गाते विशाल जुलूस के साथ गजानन मंदिर पहुंचेंगे, इस आयोजन को लेकर सामाजिक बन्धुओं, मातृशक्तिओं एवं युवाओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है. इस विशाल दिंडी यात्रा मे सम्मलित होने हेतु अपील वरिष्ठ कार्यकारिणी, युवा कार्यकारिणी, महिला कार्यकारिणी, नगर कार्यकारिणी एवं समाज के समस्त पदाधिकारियों ने की है

जिले की प्रतिभाओं में संभावनाएं अपार, नारायण सोसायटी फॉर एजुकेशन के प्रयास सराहनीय: नामदेव

छिंदवाड़ा। स्वरांजलि नगर ढिमराढाना स्थित नारायण सोसायटी फॉर एजुकेशन के प्रांगण में विगत दिवस कला विद्या की देवी मां सरस्वती के मूर्त रूप का अनावरण करने पधारे संस्कृति संचालनालय मध्य प्रदेश शासन के संचालक एन.पी. नामदेव द्वारा छिंदवाड़ा जिले की प्रतिभाओं की प्रशंसा करते हुए कहा गया कि सतपुड़ा अंचल की प्रतिभाओं में अपार संभावनाएं हैं साथ ही श्री नारायण सोसायटी फॉर एजुकेशन के प्रतिभाओं के प्रोत्साहन से जुड़े प्रयास सराहनीय हैं। उक्त आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में धार जिले से अनूप श्रीवास्तव का आगमन हुआ जिन्होंने जिले की ललित कला से जुड़ी प्रतिभाओं का मार्गदर्शन किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में छिंदवाड़ा जिले के वरिष्ठ साहित्यकार एवं सेवानिवृत्त आकाशवाणी उद्घोषक अवधेश तिवारी उपस्थित रहे। आयोजन में ललित कला के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित कलाओं की कला प्रदर्शनी भी लगाई गई। आयोजित कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं शास्त्रीय संगीत से जुड़ी प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर जिले के गणमान्य नागरिक, अभिभावकगण एवं कलाप्रेमीजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन नारायण सोसायटी फॉर एजुकेशन की अध्यक्षा डॉ. श्रीमती मृदुला शर्मा के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। विदित हो कि सोसायटी द्वारा ज़िले में टेलेंट राइज़िंग किड्स वर्ल्ड तथा स्वरांजलि श्री नारायण संगीत महाविद्यालय का संचालन किया जाता है।

गुप्त नवरात्रि अष्टमी तिथि में पूजन हवन एवं भंडारा प्रसाद वितरित किया

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश संत पुजारी संघ के द्वारा आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि अष्टमी तिथि माता जी की पूजन हवन एवं भंडारा प्रसाद वितरित किया गया नगर अध्यक्ष पंडित नंदू शर्मा के द्वारा मध्य प्रदेश संत पुजारी संघ समस्त टीम के द्वारा 51 पंडित कार्यक्रम संपन्न किया गया विशेष अतिथि जिला अध्यक्ष पंडित सुनील तिवारी, जिला प्रभारी राजेश द्विवेदी, बंटी तिवारी, बंटी शर्मा शरवानंद शर्मा, प्रिंस पांडे, बिट्टू तिवारी, मनोज महाराज ,राकेश शर्मा, अक्कू शर्मा, संतोष तिवारी ,मनोज मिश्रा, सुरेंद्र शर्मा, सुरेंद्र दुबे एवं समस्त मित्र मंडली एवं महिला मंडल शारदा पांडे रजनी शर्मा गायत्री तिवारी सुमन द्विवेदी ममता तिवारी रानी तिवारी लक्ष्मी तिवारी एवं समस्त महिला मंडल के द्वारा गुप्त नवरात्रि में प्रसाद भंडारा विपरीत करके पूर्ण लाभ लिया ।

288.4 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज

छिन्दवाड़ा। जिले की औसत वर्षा 1059 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 288.4 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 437.2 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 14 जुलाई को प्रात: 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान वर्षा नहीं हुई है।

नाबालिग पीड़िता के साथ बलात्कार करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास

छिंदवाड़ा। अपर सत्र न्यायालय जुन्नारदेव के द्वारा थाना नवेगांव के विशेष प्रकरण क्रमांक स्प्ट08/2021, अपराध क्रमांक 115/21 के आरोपी सुनील ऊर्फ पप्पू धुर्वे को धारा 4 (2), 5 (एल)/6 में लैंगिक अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम में आजीवन कारावास (शेष प्राकृत जीवनकाल तक) तथा 5000-5000 रुपये का अर्थदण्ड एवं धारा 363 भादवि0 में 5 वर्ष का सश्रम कारावस एवं 5000 रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया गया है।

घटना का संक्षिप्त विवरणः पीडिता द्वारा बताया गया कि घटना दिनांक 10/06/2021 को शाम 05ः00 बजे की बात है मेरी मम्मी गांव के ईट भट्टे में काम करने गई थी। मैं घर में अकेली थी। रात्रि लगभग 08ः00 बजे आरोपी ने मेरे मोबाईल पर फोन किया और बोला तुम्हारी मौसी तुझे बुला रही है मैं लेने आ रहा हूं। आधा घंटा बाद आरोपी मेरे पास आया और मुझे मौसी के घर की ओर ले गया। मौसी के घर पहुचने के कुछ पहले आरोपी बोला कि मौसी के घर में कोई और बैठे है थोड़ी देर बाद चलेंगे कहकर मुझे मौसी के घर के पीछे लेकर गया और एकदम से पकडकर जमीन में पटक दिया और मैं चिल्लाई तो उसने मेरा मुंह दबाकर दबरदस्ती मेरे साथ गलत काम (बलात्कार) किया। मैं अपने मोबाईल ढूंढने के बहाना करके उठी और वहां से भागकर बुआ के घर आकर उसे पूरी बात बताई और रात वही रूकी। दूसरे दिन सुबह 06ः00 बजे मम्मी के आने पर मम्मी को पूरी घटना की बात बताई, फिर मम्मी ने चाचा को घटना के बारे में पूरी बात बताई और मम्मी तथा चाचा मुझे लेकर थाना आये, रिपोर्ट दर्ज कराई गयी ।

विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से प्रस्तुत साक्ष्य एवं तर्को से सहमत होकर माननीय न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश जुन्नारदेव द्वारा आरोपी को उपरोक्त दण्ड से दंडित किया गया एवं पीडिता को 2 लाख रूपये प्रतिकर देने के लिये विधिक सहायता प्राधिकारण को आदेशित किया गया ।मध्यप्रदेश शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक/सहा0 जिला अभियोजन अधिकारी गंगावती इहेरिया के द्वारा प्रकरण में पैरवी की तथा प्रकरण की विवेचना निरीक्षक सजीव त्रिपाठी के द्वारा की गयी ।उक्त मामले में जिला कप्तान छिंदवाड़ा मनीष खत्री , के कुशल नेतृत्व मे ड्डस्त्रस्द्य, ह्यश्च अवधेश प्रताप सिंह, एसडीओपी जुनारदेव राजेश बंजारे, के कुशल मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी नवेगॉव ऊनि राजेश साहू, एवं उनकी टीम द्वारा प्रकरण मे साक्ष्य संकलन कर आरोपी के विरुद्ध अभियोग पत्र पेश किया। क्षेत्र वासियो एवं फरियादि पक्ष ने छिंदवाड़ा पुलिस कप्तान मनीष खत्री एवं उनकी पूरी टीम को पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए प्रशंसा की ।

मोहर्रम पर्व के आयोजन के दौरान कानून व्यवस्था...

लोक शांति व सुरक्षा व्यवस्था के लिये 26 कार्यपालिक दण्डाधिकारी नियुक्त

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शीलेन्द्र सिंह द्वारा 17 जुलाई को मोहर्रम पर्व के आयोजन के दौरान कानून व्यवस्था, लोक शांति व सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुये 26 कार्यपालिक दण्डाधिकारियों को निर्धारित क्षेत्र/स्थलों पर कार्यक्रम प्रारंभ से समाप्ति तक के लिये नियुक्त किया गया है। नियुक्त कार्यपालिक दण्डाधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि अपने अनुभाग/तहसील क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर पर्व के आयोजन का संज्ञान लेते हुये विहित क्षेत्रों में सतत भ्रमण करें और वहां आयोजित होने वाले पर्व, धार्मिक समागम व अन्य सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान आने वाले श्रध्दालुओं/व्यक्तियों व अन्य व्यवस्थाओं का भारत सरकार के गृह विभाग व मध्यप्रदेश शासन द्वारा समय-समय पर जारी आदेश/निर्देशों के अनुक्रम में समुचित आंकलन करें एवं क्षेत्र में समुचित सुरक्षा, शांति एवं कानून व्यवस्था की दृष्टि से क्षेत्रीय आवश्यकता के अनुसार कार्यपालिक दंडाधिकारियों और अधीनस्थ कर्मचारियों की ड्यूटी अपने स्तर से लगाते हुये पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ निरंतर संपर्क/समन्वय बनाये रखें। साथ ही यदि किसी महत्वपूर्ण अप्रिय घटना की जानकारी हो या जिला स्तर से कोई कार्यवाही अपेक्षित हो तो उससे तत्काल जिला दण्डाधिकारी और अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी को अवगत करायें।अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी के.सी.बोपचे ने बताया कि मोहर्रम पर्व के आयोजन के दौरान कानून व्यवस्था, लोक शांति व सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुये अनुविभाग छिंदवाड़ा, अमरवाड़ा, परासिया, चौरई और जुन्नारदेव में अनुविभाग के अंतर्गत थाना व चौकी के संपूर्ण क्षेत्र में संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारियों, तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को कार्यपालिक दण्डाधिकारी नियुक्त किया गया है।

अभिभाषकों के धरना प्रदर्शन में शामिल हुए स्टेट बार काउंसिल के को-चेयरमैन

सांध्य प्रकाश, विदिशा। विदिशा के अधिवक्ताओं के धरना प्रदर्शन की गूंज अब स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्यप्रदेश तक पहुंच रही है। इसी संदर्भ में सोमवार को जिला अभिभाषक संघ विदिशा में स्टेट बार काउंसिल ऑफ जबलपुर के को- चेयरमैन एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश व्यास पधारे एवं संघ के सभागार में सभी अधिवक्ताओं को संबोधित कर कहा कि मैं विदिशा के अधिवक्ताओं की भूमि आवंटन की आवश्यक मांग के संबंध में मध्यप्रदेश के मुख्य न्यायाधीश से बात करूंगा। जिससे की अधिवक्ताओं की बैठक व्यवस्था की गंभीर समस्या का समाधान शीघ्र हो सके एवं जिला उपभोक्ता फोरम की जमीन के संघ को आवंटन हो इसके लिए मुख्यमंत्री से बात करेंगे एवं विदिशा के अधिवक्ताओं के साथ स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्यप्रदेश हमेशा साथ खड़ा रहेगा। संघ के अध्यक्ष ने बताया कि कार्यक्रम के बाद व्यास ने अधिवक्ताओं के साथ नया न्यायालय परिसर एवं जिला उपभोक्ता फोरम की जमीन का भी भ्रमण कर धरना स्थल पर पहुंचकर धरना प्रदर्शन में शामिल हुए और अधिवक्ताओं का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्टेट बार काउंसिल से पधारे को-चेयरमैन राजेश व्यास, अध्यक्ष प्रभु दयाल यादव, सचिव प्रेम सिंह दांगी, सह सचिव रविन्द्र रघुवंशी, वरिष्ठ अभिभाषक एलएन दंडोतिया, देवेंद्र श्रीवास्तव, मदन किशोर शर्मा, ओपी दुबे, सुनील शर्मा, राजेंद्र सिंह दांगी, राकेश यादव, सुशील शर्मा, लल्लू लाल जैन,वीर सिंह मीणा, अजय कुशवाह, प्रवीण वासिया, महेंद्र वर्मा, धर्मेंद्र किरार, संतोष तोमर, कौशल किशोर मांझी सहित आदि मौजूद थे।

कलेक्टर ने की 5 आदर्श गांवों में कार्यों की समीक्षा

सांध्य प्रकाश, विदिशा। सोमवार को लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में पांच आदर्श गांवों में कार्यों की समीक्षा की गई। जिले के पांच विकासखंडों के एक-एक ग्राम आदर्श ग्राम के रूप में चिन्हांकित किए गए हैं। इन गांवों में लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ दिया जाना है। कलेक्टर ने कहा कि आदर्श गांवों के भ्रमण के दौरान कहीं भी लापरवाही उजागर नहीं होना चाहिए। बैठक में बताया गया कि ग्यारसपुर विकासखंड कि ग्राम पंचायत मढ़ीपुर का सहरिया बसाहट, विदिशा में पिपरिया अजीत, बासौदा में डिंडोली, नटेरन की ग्राम पंचायत दिघौनी का खेजड़ातिला एवं कुरवाई के जरगुंवा पंचायत में सहरिया बसाहट पीरोठा शामिल है।

ममत्व कार्ड के अनुसार गर्भवती महिलाओं की जांच कर कराया जा रहा है सुरक्षित प्रसव

छिन्दवाड़ा। गर्भवती महिलाओं और शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में छिन्दवाड़ा जिले में सुरक्षित मातृत्व अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जिले के प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, उप स्वास्थ्य केन्द्रों व जिला चिकित्सालय में सभी गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन कर उनकी एएनसी जांचे की जा रही हैं। जिले में मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु को रोकने के लिए नवाचार के रूप में सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत ममत्व कार्ड गर्भवती महिलाओं को प्रदान किये जा रहे हैं, जिसमें वर्तमान में सभी गर्भवती महिलाओं की 4 एएनसी जांचे समय पर मेडीकल ऑफीसर द्वारा करवाकर ममत्व कार्ड में भरी जा रही हैं। इसके अलावा उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन कर (सीवियर एनिमिया, मोडरेड एनीमिया, पीआईएच और अन्य) उन सभी को आयरन सुक्रोज, ब्लड ट्रांसफ्युजन, पीआईएच उपचार एवं परामर्श समय पर दिया जा रहा है। जिनका विवरण ममत्व कार्ड में प्रदर्शित हो रहा है। अभी तक जिले में 33055 गर्भवती महिलाओं को ममत्व कार्ड प्रदान किया जा चुका है एवं 3600 महिलाओं को मोडरेट एनीमिया से सामान्य मोडरेट एनीमिया में और 237 महिलाओं को सीवियर एनीमिया से मोडरेट एनीमिया में लाया जा चुका है एवं 6841 महिलाओं का सुरक्षित प्रसव कराया जा चुका है।

जीत का आभार व्यक्त करने पैदल निकले विधायक कमलेश शाह

नगर एवं क्षेत्र की जनता का व्यक्त किया आभार

छिंदवाड़ा/हर्रई। विधायक कमलेश शाह ने पैदल भ्रमण विधानसभा उपचुनाव में जीत के लिए जनता का आभार व्यक्त किया। आभार यात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से निकली गई। आभार यात्रा के दौरान विधायक कमलेश शाह को नगर के गणमान्य नागरिकों व्यापारी बंधुओं द्वार काजू किशमिश, मिठाई, फल से तोला गया। विधायक कमलेश शाह के समर्थकों द्वारा आतिशबाजी कर स्वागत किया गया। आभार यात्रा के दौरान विधायक कमलेश शाह ने हर्रई नगर की जनता वचन देते हुए कहा कि अब नगर का ऐतिहासिक विकास होगा साथ ही सम्पूर्ण अमरवाड़ा विधानसभा का ऐतिहासिक विकास होगा। उन्होंने कहा मैं आपको विश्वास दिला रहा हूं कि आपने जो विश्वास कर मुझे आज इतने बड़े जवाबदारी सौंपे है इस अवश्य पूरा करूंगा। इस अवसर पर विधायक कमलेश शाह के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती माधवी शाह, बेटी मान्या शाह, भाजपा जिला मंत्री मनोज नेमा, नगर पालिका उपाध्यक्ष संत कुमार ईपाचे, मंडल अध्यक्ष सुमित गुप्ता, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सीताराम डेहरिया, पूर्व जिला उपाध्यक्ष शंभू दयाल साहू, श्रीमती रुक्मणी साहू, पूर्व पार्षद सुलेखा मालवी, हरि बाई चौरसिया, सेल कुमारी गुप्ता, ममता गुप्ता, मोहन नेमा, अल्पसंख्यक मोर्चा से शहजाद खान पप्पू, सफीक खान बबलू , हाजी शमी कुरैशी, शेख बहाद खान, शरद साहू, चंपालाल, अमित जैन, अधिवक्ता रमेश साहू, दीपक पांडे, नीलू पांडे, लाला विजय पटवा, प्रेम कुमार श्रीवास्तव, नीलू पटवा लक्ष्मी चौहान, मोनू रजक, शरद साहू, आशु रजक, पत्रकार मोनू साहू, रमेश ईपाचे, दुर्गेश ठाकुर, महेंद्र डेहरिया, रजनीश श्रीवास्तव, राजेंद्र सोनी मुन्नू , मंजू नेमा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण एवं नगरवासी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव आज आयेंगे अमरवाड़ा

सांसद बंटी साहू और विधायक कमलेश शाह ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

अमरवाड़ा। उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के कमलेश शाह के विजयी होने पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा मंगलवार कोअमरवाडा के मतदाताओं काआभार व्यक्त करने हेतु आगमन हो रहा है मुख्यमंत्री मोहन यादवके आगमन को ले कर सांसद बंटी विवेक साहू के द्वारा शासन प्रशासन एवं भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारीयो पर चर्चा कर दिशानिर्देश दिए ।

महिला शसक्तीकरण का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करने वाली छाया साहू सम्मानित

छिंदवाड़ा. एम. पी. प्रेस क्लब के अध्यक्ष विनोद सूर्यवंशी (भोपाल) और म.प्र. कल्चुरी समाज की प्रदेश उपाध्यक्ष बबीता सूर्यवंशी (भोपाल) ने अपने दम पर जिले में एक अलग पहचान बनाने वाली शक्ति नगर निवासी छाया साहू को 3 गर्ल्स हॉस्टल और टिफिन सेवा के उत्कृष्ट संचालन हेतु सम्मानित किया। उन्हें श्री फल, शाल और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके कार्यों की जमकर सराहना की। श्रीमति साहू इन गर्ल्स हॉस्टल में ऐसी छात्राओं को प्रवेश देती हैं जिनको सरकारी छात्रावास में जगह नहीं मिल पाती और जिम्मेदार पालक अपनी बेटी को शहर में अलग रूम लेकर नहीं रखना चाहते। उन सब के लिए यह छात्रावास एक वरदान है जहां घर जैसी सुविधाएं उपलब्ध है ।श्रीमति साहू ने इन हॉस्टलों और टिफिन संचालन सेवाओं में लगभग 20 महिलाओं को सेवाओं में रखा है जो ससुराल से या पति प्रताड़ना से त्रस्त हैं, उनके छोटे छोटे बच्चे भी हैं। इस प्रकार 20 जरूरतमंद महिलाओं के परिवार का भरण पोषण और स्वयं के परिवार का भरण पोषण का सराहनीय कार्य है। एक महिला द्वारा यह सब किया जाना नारी सशक्तिकरण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है । एम. पी. प्रेस क्लब के प्रदेश अध्यक्ष विनोद सूर्यवंशी को जब यह पता चला तो वह स्वयं को रोक नही पाए और पूरी टीम के साथ छिंदवाड़ा आकर छाया साहू का सम्मान किया। इस अवसर पर महिला उत्थान आश्रम की संचालक साध्वी नीलू बहन , खजरी आश्रम के संचालक जयराम भाई , समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई , गुरुकुल की संचालक दर्शना खट्टर, रंजना भगत, सामाजिक कार्यकर्ता भगवानदीन साहू ,जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष अभय जैन , नरेंद्र सूर्यवंशी, आनन्द सूर्यवंशी, मनोज हिवसे, हर्षवर्धन साहू, सतीष पवार, हेमराज पटले आदि ने शुभकामनाएं दी ।

3 आदतन अपराधियों पर जिला बदर की कार्यवाही, 3 को थाना हाजिरी के आदेश

सांध्य प्रकाश, विदिशा। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट बुद्धेश कुमार वैद्य ने जिले के 3 आदतन अपराधियों पर जिला-बदर की कार्यवाही करते हुए आरोपी रितिक उर्फ छिंगा रैकवार निवासी माता मंदिर वाली गली थाना कोतवाली विदिशा को छह माह के लिए, सचिन अहिरवार निवासी शेरूबाबू अहिरवार निवासी पानी की टंकी के पास लोहांगी मोहल्ला थाना कोतवाली विदिशा को तीन माह के लिए और रूपेश शर्मा पिता स्व. मोहन शर्मा निवासी दनवास थाना गुरवास को तीन माह हेतु जिला बदर किये जाने के आदेश पारित किये गये है। वहीं तीन अन्य आरोपियों जित्तू उर्फ जितेन्द्र कैवट पुत्र मुन्नालाल रेकवार निवासी ग्राम सतपाड़ा सराय थाना करारिया विदिशा, मनीष पुत्र रामचरण कुशवाह निवासी आज्ञाराम कालोनी टपरिया थाना सिविल लाइन विदिशा और कन्हैयालाल लोधी पिता बालाराम थाना करारिया जिला विदिशा को राशि 50,000 प्रतिभूति बंधपत्र निष्पादित करने एवं एक वर्ष के लिए संबंधित थाना में माह में दो बार थाना हाजिरी के आदेश दिये गये है। इन अपराधियों द्वारा गंभीर अपराध घटित करने जैसे लोगों के साथ मारपीट करना, जान से मारने की धमकी देना, हत्या, अड़ीबाजी, बलवा जैसे जघन्य सामाजिक अपराध घटित कर माहौल खराब कर आम जनता को परेशान करने के कारण, पुलिस अधीक्षक विदिशा के प्रतिवेदन एवं सुनवाई/पक्ष समर्थन पश्चात मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अधीन आदेश पारित किये गये है। जिला बदर निष्कासन अवधि के दौरान विदिशा एवं सीमावर्ती जिले, रायसेन, भोपाल, गुना, अशोकनगर, सागर एवं राजगढ की राजस्व सीमाओं में भी नही रह सकेगें। अनावेदक के इन जिलो के न्यायालयों में यदि कोई राजस्व/आपराधिक मामले गतिशील हो तो उन मामलो में तारीख पेशी के दिन उन जिलों के न्यायालय में आ एवं जा सकेगा इसके लिए अनावेदक को संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित थाना प्रभारी को सूचना देना अनिवार्य होगा।

अपना घर आश्रम में सदस्य परिचय एवं चिकित्सकों का किया गया सम्मान

समाजसेवियों को अपना घर सेवा प्रकल्प से जोड़ने हुई चर्चा

सांध्य प्रकाश, विदिशा। अपना घर आश्रम विदिशा में सोमवार को संस्था के आजीवन एवं वार्षिक सदस्यों ने प्रथम बार अपना एक दूसरे से परिचय प्राप्त कर आश्रम की गतिविधियों एवं प्रभु जनों की सेवा प्रक्रिया को नजदीक से देखा। साथ ही नगर के समाजसेवियों को अपना घर सेवा प्रकल्प से जोड़ने के लिए चर्चा की। इस अवसर पर आश्रम में रहने वाले मंदबुद्धि, लावारिस, विक्षिप्त, असहाय, बेसहारा, बीमार, मानव रूपी प्रभुजनों की निशुल्क चिकित्सा सेवा में सहयोगी रहे मेडिकल कॉलेज से जुड़े एवं नगर के वरिष्ठ चिकित्सकों जिनमें डॉ. एस.एस. रघुवंशी, डॉ. विनोद भट्ट, डॉ. विनय पांडे, डॉ. बीपी मेहरा, डा. शांतिलाल पीतलिया, डॉ. राहुल जैन, डॉ. निर्मल चौरसिया, डॉ. राजेश शुक्ला, डॉ. सौरभ जैन, डॉ. शिव कुमार रघुवंशी, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. पुनीत महेश्वरी, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. महेंद्र रघुवंशी, डॉ. ऋषि ठुकराल, डॉ. नरेश सोलंकी का सम्मान आश्रम के संस्थापक विट्ठल दास डांगरा, अध्यक्ष डॉ. जीके माहेश्वरी, उपाध्यक्ष अतुल शाह, सचिव जीएस चौहान, वित्त सचिव घनश्याम डागा, सह वित्त सचिव संजय चाडंक, आश्रम के विधि सलाहकार केजी माहेश्वरी एड., मीडिया प्रभारी सोहेल अहमद बबलू, वरिष्ठ सदस्य विकास पचौरी, घनश्याम दत्त शर्मा, राहुल महेश्वरी, पूर्व विधायक शशांक भार्गव, विदिशा जनपद अध्यक्ष वीर सिंह रघुवंशी काका द्वारा किया गया।

इन प्रभूजनों की सेवा सुश्रुषा ,एवं आश्रम के उद्देश्य से प्रभावित होकर पूर्व विधायक एवं समाजसेवी शशांक भार्गव द्वारा प्रति वर्ष 51000 रुपए देने एवं संस्था के सदस्य बनने की घोषणा की। विदिशा जनपद अध्यक्ष वीर सिंह रघुवंशी कक्का द्वारा सदस्य के रूप में प्रति वर्ष प्रभु जनों के लिए भोजन व्यवस्था हेतु बारह कुंटल अनाज देने की घोषणा की। इसी अवसर पर डॉ. राहुल जैन, किशोर शाह, दिनेश कावरा, गिरधर जाजू, डॉ. शांतिलाल पीतलिया, डॉ. विजय जैन, पी.डी. माहेश्वरी, कृष्णा रघुवंशी, स्वदेश सरिला अग्रवाल, नितीष सचिन अग्रवाल द्वारा आश्रम के आजीवन सदस्य बनने हेतु 11000 रुपए के चेक एवं नगर राशि प्रदान की। आश्रम का परिचय वरिष्ठ सदस्य विकास पचौरी द्वारा सभी को करवाया गया। वरिष्ठ सदस्य लोकेश लोया ने सभी सदस्यों एवं पधारे हुए समाजसेवियों से आश्रम की गतिविधियों की जानकारी एवं आश्रम का अवलोकन करने हेतु अधिक से अधिक लोगों को प्रेरित करने का आग्रह करते हुए सभी का आभार प्रकट किया।

सोशल मीडिया से

मानव जीवन की सबसे बड़ी सच्चाई है जीवन का अधूरापन

मुकेश अंबानी की व्यथा
जीवन का चित्र अधूरा ही रहता है!

सृष्टिकर्ता ने जीवन की रचना इस प्रकार से की है कि जीवन में संपूर्ण सफलता देने के बाद भी, वह कहीं न कहीं जानबूझकर जीवन के चित्र को अधूरा छोड़ देता है। इस अधूरेपन की उपस्थिति हमें लगातार जमीन पर ही रहने की याद दिलाती रहती है।

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में ग्यारहवें स्थान पर और एशिया के नंबर एक अमीर उद्योगपति, रिलायंस समूह के अध्यक्ष मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की दुनिया की सबसे महंगी शादी समारोह के कारण मार्च महीने की शुरुआत में पूरे विश्व में चर्चा हुई। सोशल मीडिया पर भी इसकी खूब चर्चा हुई।

इस समारोह में मेहमानों को नाश्ता, दोपहर का भोजन, दोपहर की चाय, रात का भोजन और मध्यरात्रि के नाश्ते के लिए 12,000 व्यंजन परोसे गए। इस कार्यक्रम में फिल्म इंडस्ट्री के सभी सुपरस्टार नाचते हुए नजर आए। दुनिया भर की मशहूर ग्लैमरस हस्तियों की उपस्थिति के बावजूद, सभी का ध्यान शारीरिक विकृति से ग्रसित अनंत अंबानी पर था। क्योंकि वह एक गंभीर बीमारी से ग्रस्त है, जिसका पारंपरिक दवाओं से इलाज संभव नहीं है। इलाज के लिए उसे लगातार स्टेरॉइड्स लेने पड़ते हैं। इन कॉर्टिकोस्टिरॉइड्स के कारण अनियंत्रित भूख लगती है, जिससे व्यक्ति अधिक मात्रा में भोजन करता है। परिणामस्वरूप उसका वजन अनियंत्रित रूप से बढ़ता है।

अरबों डॉलर की संपत्ति होने के बावजूद, मुकेश अंबानी का प्रिय और सबसे छोटा बेटा ऐसी बीमारी से ग्रस्त है जिसके लिए स्टेरॉइड्स के दुष्प्रभावों के बिना इस दुनिया में कोई और उपाय नहीं है। अनंत को हाथी जैसी बीमारी ने घेर लिया है, इसलिए मुकेश अंबानी ने हाथियों के इलाज, मनोरंजन, स्पा और मसाज की सुविधाओं से भरी हजारों एकड़ जमीन को सफारी पार्क में बदल दिया है। इस सफारी पार्क में हर दिन सैकड़ों टन सूखे मेवे हाथियों को दिए जाते हैं।

मुकेश अंबानी के बीमार बेटे के साथ के व्यक्तिगत संघर्ष की यह बस एक झलक है। सारी सुख-संपत्ति पैरों में लोटते हुए भी वह अपने बेटे के लिए संपूर्ण स्वास्थ्य का एक भी दिन खरीद नहीं सकता।

इस समारोह में हजारों मेहमानों को संबोधित करते हुए मुकेश अंबानी ने कहा कि उनका जीवन गुलाब की सेज नहीं बल्कि कांटों से भरी यात्रा है।

मुकेश अंबानी ये शब्द बोलते समय, एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति के चेहरे पर कैमरा जूम इन हुआ, उसका चेहरा गहरे दुख में डूबा हुआ दिखा, उसकी आंखों से आंसू बहते हुए नजर आए। उन आंसुओं में दर्द और असहायता स्पष्ट दिखाई दे रही थी। अरबों डॉलर की संपत्ति होने के बावजूद वह अपने बेटे के लिए एक साधारण दिन का पूर्ण स्वास्थ्य भी नहीं खरीद सका, यह पीड़ा महसूस हो रही थी।

कितना अजीब है सृष्टिकर्ता का न्याय? वह जीवन के चित्र को कहीं न कहीं अनजाने में अधूरा ही छोड़ देता है। और इस अधूरेपन में ही पूर्णता का सार दर्शाता है!

निष्कर्ष - मुकेश अंबानी की संपत्ति का ईर्ष्या करने के बजाय, हमें भी अपने जीवन के अधूरे चित्र के लिए सृष्टिकर्ता का धन्यवाद करना चाहिए। क्योंकि अंबानी के अधूरे चित्र जितनी दुखदायी तस्वीर हमारी नहीं है। इसलिए हम जैसे हैं वैसे ही खुश रहें और जीवन के प्रति आभार और कृतज्ञता व्यक्त करें...

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज भोपाल में आईसीएआर के स्थापना दिवस पर पौधारोपण किया।

महापौर मालती राय ने स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल रूम में महिला महापौर हेल्पलाइन के तहत प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की एवं लाभार्थियों से फीडबैक लिया, साथ ही अधिकारियों को 24 घंटे मे समस्या हल करने हेतु आदेशित किया।

भोपाल में कोरकू भाषा सम्मेलन का आयोजन

भोपाल। साहित्य अकादमी, नई दिल्ली और अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में तथा संस्कृति मंत्रालय, मध्य प्रदेश शासन, भोपाल के सहयोग से कोरकू भाषा सम्मेलन गौरांजनी सभागार, रवींद्र समागम केंद्र में आयोजित किया गया।

सम्मेलन के उदघाटन सत्र में मंच पर मुख्य रूप से के निवासराव, सचिव, साहित्य अकादमी प्रो. सुनील मावस्कर, प्रख्यात कोरकू लेखक, प्रो. धर्मेंद्र पारे, निदेशक, जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास भोपाल, प्रो पीसी बारस्कर, पूर्व सचिव, लोक निर्माण विभाग, प्रो. खेमसिंह डहेरिया, कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, एवं शैलेन्द्र कुमार जैन,कुलसचिव, अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय उपस्थित रहे।

उदघाटन सत्र में स्वागत वक्तव्य में के श्रीनिवास राव, सचिव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत में बड़ी संख्याओं में भाषाओं का समूह है। विभिन्न प्रकार की भाषा में साहित्यिक रचनाओं का विकास हुआ। प्रो सुनील रामलाल मावस्कर ने कहा कि कोरकू के इतिहास का आरंभ ओस्ट्रो एसियाटिक (मुंडा) परिवार से आया है। मुंडा परिवार की भाषा में से एक भाषा कोरकू है। यह भाषा धीरे धीरे विलुप्त होने के कगार पर है। मवई, अखाड़ी , बात्य रोटी, आखती आदि रीति रिवाज आज भी कोरकू समाज में जीवित हैं, इनकी संस्कृति को बचाने की आवश्यकता है। मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत मातृभाषा 1 से 3 कक्षा तक की स्कूली शिक्षा में मातृभाषा को महत्व दिया जा रहा है जिसके अंतर्गत कोरकू को भी महत्व दिया जा रहा है, यह अच्छी बात है। मेरा मानना है, कि केवल शिक्षा से नहीं, आचरण से मातृभाषा बचती हैं। वर्तमान में कोरकू की जनसंख्या लगभग 10 लाख होंगी। प्राचीन काल में रामायण और महाभारत में भी कोरकू का वर्णन किया गया है। कोरकू साहित्य में आख्यानों की विरासत, धरती की उत्पत्ति की कथा आदि की जानकारी कोरकू साहित्य के इतिहास में दिया गया है। साथ ही धरती की उत्पत्ति का वर्णन करते हुए, केकड़े के पंजे की मिट्टी से उधार ली गई थी, वह लौटाई जाएगी आदि की बात कही। साथ ही हमें कोरकू पर्व, त्योहार, सिडौली अनुष्ठान आदि कोरकू की संस्कृति को भी मनाना होगा, तब ही कोरकू की संस्कृति, भाषा बच पाएगी। किसी भाषा को बचाने के लिए उस भाषा के शब्दों का महत्व अधिक है चूंकि शब्द जीवित इकाई है। भाषा और संस्कृति के पर्यावरण के साथ उसे हमारे आचरण में लाना चाहिए, भाषा संस्कृति से जुड़ी हो, यह विषय विचार और व्यवहार का है। किसी भाषा को दोष देने के बजाए हमें इस क्षेत्र में कार्य करने की आवश्यकता है।

भोजशाला के मुख्य परिसर के नीचे पुराने स्ट्रक्चर के प्रमाण

इंदौर। धार जिले में भोजशाला को लेकर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश कर दी गई है। इससे हिंदू पक्ष राहत महसूस कर सकता है। इसकी वजह मुख्य रूप से अधिकतर प्रमाण मूर्तियों, संस्कृत आधारित शिलालेखों का है। साथ ही खंभों पर भी ऐसे ही प्रमाण मिले हैं।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि निर्माण परमार काल के आसपास का ही है। 90 से ज्यादा प्रमाण ऐसे मिले जो इशारा कर रहे हैं कि मूर्तियां परमार काल की है। भोजशाला का मुख्य कैंपस किसी स्ट्रक्चर पर निर्मित हुआ है, इसके भी प्रमाण खुदाई में मिली दीवार से दिखते हैं। मामले में अब हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में 22 जुलाई को सुनवाई होगी। इधर, मुस्लिम पक्ष का कहना है कि रिपोर्ट पर अंतिम निर्णय सुप्रीम कोर्ट को ही करना है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्वे के दौरान खुदाई में मिले विभिन्न धातुओं के सिक्के और मूर्तियां राजा भोज (परमारकालीन) के समय की हैं। वैज्ञानिक जांच और जांच के दौरान बरामद पुरातात्विक अवशेषों के आधार पर पहले से मिला स्ट्रक्चर परमार काल का हो सकता है। स्तंभ और अर्ध स्तंभों की कला और वास्तुकला से यह कहा जा सकता है कि वे पहले के मंदिरों का हिस्सा थे और बेसाल्ट के ऊंचे मंच पर मस्जिद के स्तंभों को बनाते समय उनका पुन~उपयोग किया गया है।

एएसआई की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वर्तमान संरचना में संस्कृत और प्राकृत में कई शिलालेख हैं, जो इस स्थल (भोजशाला) के ऐतिहासिक, साहित्यिक और शैक्षणिक महत्व को उजागर करते हैं। सर्वे टीम को एक शिलालेख मिला, जिसमें परमार वंश के राजा नरवरमन का उल्लेख है, जिन्होंने 1094-1133 ई. के बीच शासन किया था।

उमंग बोले-कांग्रेसियों को टारगेट बनाकर पुलिस ने बर्बरता की

भोपाल। सोमवार को भोपाल में एनएसयूआई द्वारा नीट एग्जाम फर्जीवाड़े, नर्सिंग घोटाले सहित तमाम परीक्षाओं में हुई गड़बड़ी के विरोध में सीएम हाउस घेराव के दौरान पुलिस बल द्वारा वाटर कैनन और आंसू गैस के गोले के प्रयोग में कांग्रेस के कई कार्यकर्ता घायल हुए थे। पुलिस की कार्रवाई पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने ट्वीट कर गंभीर आरोप लगाए हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने ट्वीट कर लिखा- भोपाल में एनएसयूआई के आंदोलन पर पुलिस की बर्बरता कांग्रेस के नेताओं को टारगेट बनाकर की गई। पुलिस के निशाने पर मैं भी था, मुझ पर वॉटर कैनन से हमला किया गया और आंसू गैस का गोला फेंका गया। निश्चित रूप से यह सब बीजेपी सरकार के इशारे पर ही हुआ। लेकिन, कांग्रेस के नेता, कार्यकर्ता और परीक्षाओं के फर्जीवाड़े से प्रभावित होने वाले स्टूडेंट्स डरने वाले नहीं है! आज जो हुआ वो बीजेपी के नेताओं की खुन्नस और खीज का नतीजा है।

पांच लाख कर्मचारियों के वेतन बढ़ने की उम्मीदें टूटीं

भोपाल। प्रदेश के साढ़े सात लाख कर्मचारियों में से 5 लाख की वेतन विसंगतियों को दूर करने के लिए गठित कर्मचारी आयोग का सरकार ने कार्यकाल एक साल बढ़ा दिया है। यह पहला मौका है जब बड़े कर्मचारी वर्ग को प्रभावित करने के लिए गठित आयोग ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी हो और उसका कार्यकाल खत्म होने के छह महीने बाद कार्यकाल बढ़ाया गया हो।

आयोग का कार्यकाल 11 दिसंबर 2023 से 12 दिसंबर 2024 तक होगा। कर्मचारी संगठनों का आरोप है कि सरकार ने मनचाही रिपोर्ट हासिल करने के लिए आयोग का कार्यकाल बढ़ाया है।

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा कह चुके हैं कि आयोग की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है, जिसका परीक्षण कर लागू करवाया जाएगा। सूत्रों के अनुसार रिपोर्ट में प्रत्येक संवर्ग के अधिकतम वेतनमान के बराबर वेतन करने की सिफारिश की गई थी। इससे 5 लाख कर्मचारियों को 12 हजार से 60 हजार तक फायदा होने की उम्मीद थी। वित्त प्रमुख सचिव मनीष सिंह ने कहा पिछली रिपोर्ट पर कुछ नहीं कहना है। कर्मचारी आयोग के कार्यकाल को बढ़ाया गया है। अब जो भी सिफारिशें आएंगी उनका परीक्षण किया जाएगा।

भोपाल। कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने आज सायबर क्राइम शाखा में जाकर शिकायत की। इस मौके पर जेपी धनोपिया, अमित शर्मा, प्रवीण सक्सेना, भूपेंद्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

महत्वपूर्ण सूचना

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान / प्रोत्साहन समारोह

नगर में समाज सेवा और बाल कल्याण के विविध कार्यक्रमों के संचालन में सक्रिय हर्षनी वेलफेयर सोसाइटी द्वारा शहर के आर्थिक रूप से कमजोर, झुग्गी-झोपडीवासी 8वीं, 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में इस वर्ष 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक लाने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को 15 अगस्त 2024 (स्वतंत्रता दिवस) के दिन अपरान्ह 4 बजे आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सम्मानित किया जायेगा। प्राइम-वे हायर सेकेण्डरी स्कूल के पीछे.-85 राजीव नगर, अयोध्या बायपास रोड-भोपाल स्थित उक्त सोसायटी गरीब व आर्थिक रूप से विपन्न, स्लम एरिया में रहकर भी अपनी प्रतिभा का परिचय देने वाले तीक्ष्ण बुद्धि बालक-बालिकाओं का सम्मान कर उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ऐसे विद्यार्थियों से उनकी मूल अंकसूची की फोटो. नाम-पता, (व्हाट्सएप युक्त) मोबाइल नं. आदि सहित विस्तृत जानकारी 31 जुलाई 2024 तक आमंत्रित करती है। उपरोक्त शर्तों को पूरा करने वाले छात्रगण स्वयं या उनके अभिभावक वरिष्ठ समाज-सेवक श्री ओमप्रकाश श्रीवास्तव कौशल (79746 70607) या सुविख्यात समाज सेविका सुश्री नेहा ममतानी (88397 49836) को व्हाट्सएप पर उक्त विवरण भेज सकते हैं। साथ ही इसी वर्ष मेडिकल, इंजीनियरिंग (द्धद्धञ्ज-छ्वश्च), स्स्क्कक्स्ट, ष्ट, ह्ष्ठ, ष्टष्ठ्र इत्यादि प्रतियोगी परीक्षाओं में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने वाले प्रतिभागी भी सप्रमाण अपना विवरण भेज सकते हैं, जिन्हें इसी कार्यक्रम में सम्मानित किया जायेगा। आप स्वयं, अपने परिवार या अडोस-पड़ोस के गरीब और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की जानकारी भेज सकते हैं या उनको इस आयोजन की जानकारी दे कर समाज कल्याण के क्षेत्र में सहयोग कर सकते हैं।

इंदौर-उज्जैन में तेज बारिश, भोपाल में भी अलर्ट, शाजापुर में कई गांवों का संपर्क कटा

भोपाल। मध्यप्रदेश में बारिश का दौर जारी है। इंदौर और उज्जैन में मंगलवार सुबह तेज बारिश हुई। उज्जैन में सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया। शाजापुर के कालापीपल और आसपास के ऊपरी इलाकों में सुबह से रुक-रुक कर पानी गिर रहा है। इससे कालापीपल में नदी-नाले उफना गए हैं। कालापीपल-अरनिया कला रोड बंद होने से कई गांवों का संपर्क कट गया है। सुबह 2 नालों के बीच एक स्कूल बस फंस गई थी।

अगले कुछ घंटे में मंदसौर में गरज-चमक के साथ भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने नीमच और रतलाम में भी तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। रायसेन के भीमबेटका, सांची, बैतूल, उज्जैन, छिंदवाड़ा के धोलावाड़, नर्मदापुरम के पचमढ़ी और भोपाल में हल्की बारिश हो सकती है। ग्वालियर और जबलपुर भी भीगेंगे। मौसम विभाग के मुताबिक, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की वजह से प्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम है। अब तक प्रदेश में सीजन की 27 प्रतिशत यानी एवरेज 10.6 इंच बारिश हो चुकी है।

19 जुलाई से नया सिस्टम

आईएमडी भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, मानसून ट्रफ थोड़ी नीचे आई है। एक लो प्रेशर सिस्टम बंगाल की खाड़ी से एक्टिव हुआ है। पश्चिमी राजस्थान पर बना चक्रवात मानसून ट्रफ के साथ विलीन हो गया है। गुजरात के ऊपर भी एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम है। इस वजह से तेज बारिश हो रही है। 19-20 जुलाई को बंगाल की खाड़ी में एक नया लो प्रेशर एरिया बनने की संभावना है, जिससे प्रदेश में तेज बारिश का दौर बना रहेगा।

एमपी के 19 जिलों में बारिश, सड़कें तालाब बन गईं

सोमवार को प्रदेश के 19 जिलों में तेज बारिश का दौर रहा। खरगोन के सनावद में एक टैंकर बांकुर नदी की बाढ़ में बह गया। बड़वाह में मकान-दुकानों में पानी घुस गया। नर्मदा नदी का वाटर लेवल एक मीटर तक बढ़ गया। सीहोर के आष्टा और आगर-मालवा में इतनी तेज बारिश हुई कि सड़कें तालाब बन गईं। मंडला में सबसे ज्यादा 1 इंच बारिश हुई। रतलाम में भी तेज बारिश का दौर चला। यहां भी करीब 1 इंच बारिश हुई है। छिंदवाड़ा, जबलपुर में आधा इंच के करीब पानी गिरा। इंदौर, सीहोर, भोपाल, रतलाम, मुरैना, नरसिंहपुर, सागर, उमरिया, धार, ग्वालियर, नर्मदापुरम, खरगोन, रतलाम, शिवपुरी समेत अन्य जिलों में भी बारिश का दौर जारी रहा।

दैनिक सांध्य प्रकाश
आशिष शर्मा
अध्यक्ष
की ओर से
दैनिक सांध्य प्रकाश के 53 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
मदद फाउंडेशन दमोह (मप्र)

दैनिक सांध्य प्रकाश
मेजर सिंह
की ओर से
दैनिक सांध्य प्रकाश के 53 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
खनिज कार्यालयल खनिज विभाग दमोह (मप्र)

दैनिक सांध्य प्रकाश
अजय पटैरिया
रिटायर्ड फॉरेस्ट एसडीओ
की ओर से
दैनिक सांध्य प्रकाश के 53 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
सटई रोड छतरपुर (मप्र)

दैनिक सांध्य प्रकाश
दैनिक सांध्य प्रकाश के 53 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

अमर द्वीप रिछारिया
पटवारी हल्का, सौरा, तहसील जिला छतरपुर (मप्र)
किसानों के काम-काज के लिए 24 घंटे दरवाजें खुले रहते है जिससे अधिकारियों द्वारा पारित आदेशों की फिडिंग एक निश्चित समय सीमा में उन्हें पूर्ण कर उन्हें सूचित करता हूं।